वर्ष 24, अंक 128, पृष्ठ 08, मूल्य: 3.00

अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज सोमवार 17 नवंबर 2025 विश्व निर्माण एवं मानव विकास को द्रुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

मोहन भागवत ने बताया संघ की शक्ति का रहस्य

स्वयंसेवकों का भाव बल ही आधार

जयपुर । राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत जी ने ज्ञान गंगा प्रकाशन द्वारा प्रकाशित पुस्तक '...और यह जीवन समर्पित' का विमोचन किया। कार्यक्रम का आयोजन पाथेय कण संस्थान के नारद सभागार में किया गया। यह पुस्तक राजस्थान के दिवंगत 24 प्रचारकों की जीवन गाथा का संकलन है।

इस अवसर पर सरसंघचालक जी ने कहा कि स्वयंसेवकों के भाव बल और जीवन बल से ही संघ चलता है। मानसिकता से हर स्वंयसेवक प्रचारक ही हो जाता है। संघ की यही जीवन शक्ति है। संघ यानी हम स्वयंसेवक हैं। संघ यानी स्वयंसेवकों का जीवन और उनका भाव बल है। आज संघ बढ़ गया है। कार्य की दृष्टि से अनुकूलताएं और सुविधाएं भी बढ़ी हैं, परंतु इसमें बहुत सारे नुकसान भी हैं। हमें वैसा ही रहना है जैसा हम विरोध और उपेक्षा के समय थे, उसी भाव बल से संघ आगे बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि संघ ऐसे ही समझ में नहीं आता है। इसे समझने के लिए प्रत्यक्ष अनुभूति की आवश्यकता होती है, जो संघ में प्रत्यक्ष आने के बाद ही प्राप्त हो सकती है। कई लोगों ने संघ की स्पर्धा में संघ जैसी शाखाएं चलाने का उपक्रम किया। लेकिन पंद्रह दिन से ज्यादा किसी की शाखा नहीं चली। हमारी सौ साल से चल रही है और बढ़ भी रही है। क्योंकि संघ स्वंयसेवकों के भाव बल और जीवन बल पर चलता है।

मोहन भागवत जी ने कहा कि आज संघ का काम चर्चा और समाज के स्नेह का विषय बना हुआ है। संघ के स्वयंसेवकों और प्रचारकों ने क्या-क्या किया है, इसके डंके बज रहे हैं। सौ साल पहले कौन कल्पना कर सकता था कि ऐसे ही शाखा चलाकर राष्ट्र का कुछ होने वाला है? लोग तो कहते ही थे कि हवा में डंडे घुमा रहे हैं। ये क्या राष्ट्र की सुरक्षा करेंगे? लेकिन आज संघ शताब्दी वर्ष मना रहा है और समाज में संघ की स्वीकार्यता बढ़ी है।

उन्होंने प्रचारकों और वरिष्ठ स्वयंसेवकों के जीवन पर आधारित पुस्तक '...और यह जीवन समर्पित' का उल्लेख करते हुए कहा कि यह पुस्तक केवल गौरव की भावना नहीं जगाती, बल्कि कठिन रास्ते पर चलने की प्रेरणा भी देती है। स्वयंसेवकों का आह्वान किया कि वे इस परंपरा को न केवल पढ़ें, बल्कि अपने जीवन में उतारें।

दिल्ली ब्लास्ट केस में NIA का बड़ा एक्शन,

उमर का दोस्त अमीर राशिद अरेस्ट; इसी के नाम पर थी i-20 कार

नई दिल्ली

दिल्ली के लाल किला के सामने हुए कार ब्लास्ट मामले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (ठकअ) ने बड़ा खुलासा करते हुए उमर के अहम साथी अमीर राशिद अली को दिल्ली से गिरफ्तार किया है. एनआईए को जांच में पता चला है कि इस आत्मघाती हमले में इस्तेमाल की गई कार/-20 अमीर राशिद के नाम पर ही रजिस्टर्ड है, जिसके बाद एजेंसी ने ये कार्रवाई की है. केंद्रीय जांच एजेंसी ने अमीर की मुख्य भूमिका को उजागर किया है. जांच में खुलासा हुआ है कि अमीर दिल्ली कार खरीदने और सुसाइड बॉम्बर को सपोर्ट करने आया था. इससे पहले फॉरेंसिक रिपोर्ट में पुष्टि हुई कि कार चलाने वाला मृत ड्राइवर उमर उन नबी ही था. वो पुलवामा का रहने वाला था और अल-फलाह यूनिवर्सिटी में असिस्टेंट प्रोफेसर था.

कहां का रहने वाला था अमीर

अमीर राशिद कश्मीर के संबूरा, पंपोर का रहने वाला है. उसने आत्मघाती हमलावर उमर उन नबी के साथ मिलकर प्लान तैयार किया था. अमीर कुछ दिन पहले ही दिल्ली आया था ताकि कार खरीदने

में मदद कर सके, जिसे बाद में क्एऊ लगाकर उस/-20 कार को उड़ाया गया.

NIA के पास और क्या सबूत?

NIA ने उमर की एक और कार भी जब्त की है. इसमें अहम डिजिटल सबूत के साथ कुछ जरूरी चीजें बरामद की गई हैं. यानी साफ है कि दिल्ली हादसे में 13 निदोर्षों की जान जाना, 25 से ज्यादा लोगों के घायल होने वाली घटना कोई आम घटना नहीं है. यह गहरी साजिश की ओर भी इशारा करती है.

73 गवाहों से पूछताछ कर चुकी है NIA

इधर, ठकअ लगातार मामले में जांच कर रही है. अबतक 73 गवाहों से पूछताछ की जा चुकी है. इसमें घायलों के बयान भी दर्ज किए गए हैं।

बिहार चुनाव में BSP को रामगढ़ में मिली जीत पर मायावती हैं खुश

बिहार

बिहार विधानसभा चुनावों में बहुजन समाज पार्टी को कैमूर जनपद की रामगढ विधानसभा से एक सीट मिली है, जिसको लेकर बसपा सुप्रीमो मायावती बेहद उत्साहित हैं. उन्होंने इस जीत के लिए पार्टी कार्यकताओं और बिहार की जनता और उम्मीदवार सतीश कुमार सिंह यादव को बधाई दी है और आभार प्रकट किया है. उन्होंने वोटों की गिनती बार-बार करवाने

पर स्थानीय प्रशासन की आलोचना की. मायावती ने इसको लेकर आज एक अपने सोशल मीडिया हैंडल पर एक पोस्ट किया है, जिसमें उन्होंने अपनी बात रखी.उन्होंने कहा कि अगर चुनाव पूरी तरह से निष्पक्ष होता तो पार्टी की सीटें और ज्यादा होतीं.

मायावती का पोस्ट

बिहार विधानसभा के अभी हाल ही में सम्पन्न हुये आमचुनाव में कैमूर ज़िले की रामगढ़ विधानसभा सीट (संख्या 203) पर बी.एस.पी. के उम्मीदवार सतीश कुमार सिंह यादव को जीत दिलाने के लिये पार्टी के सभी लोगों को बधाई तथा उनका पूरे तहेदिल से आभार प्रकट।

सरकार गठन की उलटी गिनती शुरू

बिहार

बिहार विधानसभा चुनाव के नतीजे सामने आने के बाद, अब नई सरकार के गठन की कवायद तेज हो गई है। इस बीच, केंद्रीय मंत्री और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के प्रमुख चिराग पासवान ने रविवार को सरकार गठन की समय सीमा को लेकर बड़ा अपडेट दिया है।

चिराग का दावा, आज रात तक ब्लूप्रिंट तैयार हो जाएगा

समाचार एजेंसी एएनआई से बात करते हुए चिराग पासवान ने दावा किया कि राज्य में 22 नवंबर से पहले नई सरकार का गठन हो जाएगा।

चिराग पासवान ने कहा, 'यह जल्द ही हो जाएगा। चर्चा चल रही है। सरकार के ब्लूप्रिंट पर जल्द ही स्पष्टता आ जाएगी। मुझे लगता है कि आज रात तक मैं वरिष्ठ केंद्रीय मंत्रियों से भी बात करूंगा और आज या कल तक ब्लूप्रिंट तैयार हो जाएगा। हमें 22 नवंबर से पहले सरकार बनानी है। यह हो जाएगा।'

चिराग ने कहा, नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री बने रहना चाहिए

इससे पहले, पीटीआई के साथ बातचीत में चिराग पासवान ने मुख्यमंत्री पद को लेकर भी अपनी राय स्पष्ट की। उन्होंने कहा कि मुझे व्यक्तिगत तौर पर लगता है कि जेडीयू प्रमुख नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री बने रहना चाहिए।

उन्होंने यह भी पुष्टि की कि लोजपा (रामविलास) के प्रतिनिधियों ने नीतीश कुमार से मुलाकात कर उन्हें जीत की बधाई दी है और उनकी पार्टी भी सरकार में शामिल होने का इंतजार कर रही है।

गोरखपुर के रेस्तरां में आग लगने से कर्मचारी की दम घुटने से मौत

उत्तर प्रदेश

उत्तर प्रदेश के गोरखपुर जिले में तारामंडल बौद्ध संग्रहालय के पास स्थित वाटरवेज रेस्तरां एंड बैंक्वेट में रविवार सुबह भीषण आग लग गई, जिसमें दम घुटने से एक कर्मचारी की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस सूत्रों के अनुसार आग लगने से अफरा-तफरी मच गई और भारी नुकसान हुआ। पूरी तीन मंजिला इमारत में घना धुआं फैल गया, जो लगभग दो घंटे तक रहा।

इस हादसे में गोंडा निवासी पुरुषोत्तम (48) नामक एक सफाई कर्मचारी की अंदर फंसने के बाद दम घुटने से मौत हो गई। मुख्य अग्निशमन अधिकारी (सीएफओ) संतोष कुमारने बताया कि नियंत्रण कक्ष को सुबह करीब सवा पांच बजे इस घटना की सूचना मिली।

दमकल की चार गाड़ियां तुरंत मौके पर पहुंचीं और तीन घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद, टीमों ने आग पर काबू पा लिया। उन्होंने कहा, शौचालय के अंदर एक व्यक्ति मिला, जहां घने धुएं के कारण वह बेहोश हो गया था।

बेहोश पुरुषोत्तम को अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

कश्मीरी युवा को 'सुसाइड बॉम्बर' बनाने की साजिश, डॉक्टरों का आतंकी नेटवर्क बेनकाब

नई दिल्ली

दिल्ली के लाल किले के पास 10 नवंबर को हुए कार बम धमाके की जांच में आतंकवाद का एक चौंकाने वाला 'व्हाइट-कॉलर' मॉड्यूल सामने आया है। इस ब्लास्ट में मारे गए मुख्य आरोपी डॉ. उमर नबी पर आरोप है कि वह दक्षिण कश्मीर के एक युवक को भर्ती कर उसे आत्मघाती हमलावर (सुसाइड बॉम्बर) बनने के लिए ब्रेनवॉश कर रहा था।

'डॉक्टर मॉड्यूल' को क्यों चाहिए था सुसाइड बॉम्बर?

जाँच एजेंसियों के मुताबिक, जैश-ए-मोहम्मद और अंसार गजवत-उल-हिंद जैसे आतंकी संगठनों से जुड़ा यह 'व्हाइट-कॉलर' मॉड्यूल (जिसमें कथित तौर पर डॉक्टरों का एक समूह शामिल है), पिछले एक साल से सक्रिय रूप से एक आत्मघाती हमलावर की तलाश कर रहा था।

गिरफ्तार सह-आरोपियों (डॉ. अदील राथर और डॉ. मुजफ्फर गनई) ने पुलिस को बताया कि उमर नबी, जो खुद धमाके में मारा गया था, 'कट्टर कट्टरपंथी' था।वह अपने आतंकी ऑपरेशन को अंजाम देने के लिए एक सुसाइड बॉम्बर की जरूरत को लेकर लगातार कोशिश कर रहा था।

इन गिरफ्तारियों से मिली जानकारी के आधार पर, श्रीनगर पुलिस ने दक्षिण कश्मीर के काजीगुंड से जसीर उर्फ 'दानिश' नाम के एक युवक को हिरासत में लिया है।

लालू फैमिली में मचे बवाल पर BJP ने कसा तंज

'जिस परिवार में बहू-बेटियों को बाल पकड़कर चप्पल से पीटा...'

बिहार

लालू प्रसाद यादव के परिवार में छिड़ा विवाद अब बिहार की राजनीति का बड़ा मुद्दा बन गया है. रोहिणी आचार्य के राजनीति से दूरी बनाने और परिवार से अलग रहने के फैसले ने न केवल फखऊ के लिए मुश्किलें बढ़ा दी हैं, बल्कि पूरे सियासी माहौल को तनावपूर्ण बना दिया है. जैसे-जैसे मामला बाहर आ रहा है, विपक्ष से लेकर एनडीए के नेता अपनी प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं.

बीजेपी का परिवार पर सीधा हमला

विवाद पर बीजेपी ने हमला बोला

है. पार्टी ने सोशल मीडिया के जरिए तंज कसते हुए कहा कि बिहार की जनता ने फखऊ को सत्ता से दूर रखकर खुद को "जंगलराज" से बचाया. बीजेपी ने सवाल उठाया कि 'जिस परिवार में बहू-बेटियों के साथ ऐसी स्थितियां बन जाती हों, अगर वही लोग सरकार चला रहे होते तो बिहार की महिलाओं का क्या होता?' इस बयान ने राजनीतिक गरमी और बढ़ा दी. बीजेपी के आधिकारिक एक्स हैंडल से लिखा गया -'बिहार की जनता ने फखऊ को नहीं चुनकर जंगलराज से बचा लिया! जिस परिवार में बहू-बेटियों को बाल पकड़कर और चप्पल से पीटा जाता हो, सोचिए... ये लोग अगर सत्ता में आ जाते, तो बिहार की बहन-बेटियों के साथ कैसा सलूक करते...'

बिहार की जनता ने फखऊ को नहीं चुनकर जंगलराज से बचा लिया!

जिस परिवार में बहू-बेटियों को बाल पकड़कर और चप्पल से पीटा जाता हो, सोचिए... ये लोग अगर सत्ता में आ जाते, तो बिहार की बहन-बेटियों के साथ कैसा सलूक चिराग पासवान ने जताई संवेदना

एलजेपी (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान ने विवाद को मानवीय पहलू से देखते हुए कहा कि रोहिणी की तकलीफ समझी जा सकती है. उन्होंने कहा, 'रोहिणी भी मेरी बहन जैसी हैं. परिवार में तनाव हो तो दर्द गहरा होता है. यह धारणा गलत है कि बेटी का घर सिर्फ ससुराल है।

मणिपुर में 470 एकड़ से अधिक क्षेत्र में अफीम की खेती नष्ट

मणिपुर

मणिपुर के पहाड़ी जिलों में पिछले कुछ दिनों में कई अभियानों के दौरान 470 एकड़ से अधिक क्षेत्र में फैली अफीम की खेती को नष्ट कर दिया गया। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी।

एक बयान में कहा गया कि मणिपुर पुलिस, असम राइफल्स और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के एक संयुक्त दल ने शनिवार को कांगपोकपी जिले के लोइबोल खुल्लेन गांव में 20 एकड़ से अधिक भूमि पर

अफीम की खेती को नष्ट कर दिया। जिले के कोटलेन गांव में एक अन्य अभियान में पुलिस ने सीआरपीएफ और वन अधिकारियों के साथ मिलकर शनिवार को लगभग 20 एकड़ में अफीम की खेती को नष्ट कर दिया।

इस अभियान में खेती के दौरान इस्तेमाल की गईं पांच झोपड़ियां भी जला दी गईं। सुरक्षा बलों द्वारा अन्य सरकारी एजेंसियों के सहयोग से उखरुल जिले में सोमदल, लामलाई चिंगफेई और लिटन की पहाड़ियों पर 11 से 15 नवंबर तक व्यापक स्तर पर अफीम की खेती नष्ट करने का अभियान संचालित किया गया। लगभग 436 एकड़ भूमि पर फैली अफीम की खेती नष्ट कर दी गई तथा वहां स्थित 51 झोपड़ियों को जला दिया गया।

पंजाब पुलिस ने पाकिस्तान से जुड़े नार्को-हथियार तंत्र का भंडाफोड़ किया

अमृतसर

पंजाब पुलिस ने पाकिस्तान से जुड़े एक हथियार और नार्को नेटवर्क का भंडाफोड़ करते हुए पांच व्यक्तियों को गिरफ्तार कर उनके पास से छह आधुनिक पिस्तौल और एक किलोग्राम से अधिक हेरोइन बरामद की है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी।

पुलिस ने बताया कि प्रारंभिक जांच से यह पता चला है कि गिरफ्तार किए गए व्यक्ति सोशल मीडिया और ड्रोन के माध्यम से पाकिस्तान स्थित अपने आकाओं के संपर्क में थे।

पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, खुफिया जानकारी के आधार पर कार्रवाई करते हुए अमृतसर पुलिस आयुक्तालय ने पाकिस्तान से जुड़े हथियार और नार्को नेटवर्क को ध्वस्त कर पांच लोगों को गिरफ्तार किया है और 1.10 किलोग्राम हेरोइन के साथ छह अत्याधुनिक पिस्तौल बरामद किया है।

यादव ने कहा, प्रारंभिक जांच से पता चला है कि गिरफ्तार आरोपी पंजाब में अवैध हथियारों और नशीले पदार्थों की आवाजाही और वितरण में समन्वय के लिए सोशल मीडिया और ड्रोन के माध्यम से पाकिस्तान स्थित संचालकों के संपर्क में थे।

मामले में पुलिस ने छेहरटा और अमृतसर छावनी थाना में शस्त्र अधिनियम और स्वापक औषधि एवं मनःप्रभावी पदार्थ (एनडीपीएस) अधिनियम के तहत दो प्राथमिकी दर्ज की हैं।

वर्ल्ड बैंक के ? 14,000 करोड़ से खरीदे वोट ?

प्रशांत किशोर की पार्टी का बड़ा आरोप, जांच की मांग की

बिहार

चुनाव रणनीतिकार से नेता बने प्रशांत किशोर की पार्टी जन सुराज ने बिहार विधानसभा चुनाव के नतीजों को लेकर एक सनसनीखेज आरोप लगाया है। पार्टी ने दावा किया है कि राज्य सरकार ने चुनाव से ठीक पहले वर्ल्ड बैंक द्वारा विकास परियोजनाओं के लिए दिए गए 14,000 करोड़ रुपये के फंड को डाइवर्ट करके महिलाओं के खाते में ट्रांसफर किया, जिससे चुनाव परिणाम प्रभावित हुए।

जन सुराज ने इस कार्रवाई को सार्वजनिक धन का साफ गलत इस्तेमाल और चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित करने की गलत कोशिश बताते हुए इसकी उच्च-स्तरीय जांच की मांग की है।

चुनावी नतीजों को प्रभावित करने का दावा

जन सुराज के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय सिंह ने शनिवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में आरोप लगाया कि इस चुनाव का जनादेश खरीदा गया है। उन्होंने कहा, '21 जून से लेकर वोटिंग के दिन तक, इस मैंडेट (जनादेश) को पक्का करने के लिए करीब 40,000 करोड़ रुपये खर्च किए गए। पब्लिक के पैसे का इस्तेमाल करके, उन्होंने असल में लोगों के वोट खरीदे।

मुझे यह भी पता चला है कि वर्ल्ड बैंक से मिले फंड का इस्तेमाल इन कैश ट्रांसफर के लिए किया गया था।'

कई राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि चुनाव से ठीक पहले मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत 1.25 करोड़

महिला वोटर्स के अकाउंट में 10,000 रुपये ट्रांसफर करने के नीतीश कुमार सरकार के कदम ने एनडीए की शानदार वापसी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

राज्य का खजाना खाली हो गया

जन सुराज के प्रवक्ता पवन वर्मा ने आरोप दोहराते हुए दावा किया कि सरकार के इस कदम से राज्य का खजाना अब खाली हो गया है। वर्मा ने कहा, 'चुनाव के लिए आचार संहिता लागू होने से सिर्फ एक घंटे पहले, 14,000 करोड़ रुपये निकालकर राज्य की 1.25 करोड़ महिलाओं में बांट दिए गए... अगर यह सच है, तो सवाल उठता है कि यह कितना नैतिक है।'

वर्मा ने यह भी बताया कि बिहार पर सरकारी कर्ज 4.06 लाख करोड़ रुपये है, जिस पर रोजाना 63 करोड़ रुपये का ब्याज देना पड़ रहा है, और इस कारण सार्वजनिक कल्याण पर खर्च करने के लिए मुश्किल से ही कोई पैसा बचा है।

एकता यात्रा में गूँजे सरदार पटेल अमर रहें के नारे

प्रधानमंत्री मोदी सरदार पटेल के सपनों को साकार कर रहे : रमाशंकर सिंह पटेल

जसरा से गौहनिया तक भव्य एकता यात्रा, पुष्पवर्षा कर हुआ स्वागत

अखंड भारत संदेश

जसरा। बारा विधानसभा जसरा से गौहनिया तक रविवार को सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर भव्य 'एकता यात्रा' एवं संगोष्ठी का आयोजन किया गया। यात्रा का शुभारंभ जसरा ब्लॉक परिसर से हुआ तथा गौहनिया बाजार होते हुए एमवी कान्वेंट गौहनिया में गोष्ठी के साथ सम्पन्न हुई। पूरे मार्ग में जगह-जगह यात्रा पर पुष्पवर्षा कर नागरिकों ने स्वागत किया। तिरंगा हाथ में लिए डीजे पर बजते देशभक्ति गीतों ने वातावरण को उत्साह से भर दिया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, पूर्व कैबिनेट राज्य मंत्री एवं मड़िहान विधायक रमाशंकर सिंह पटेल ने कहा सरदार वल्लभभाई पटेल देश के सच्चे नायक थे। एक भारत-विकसित भारत का जो सपना उन्होंने देखा था, उसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पूरा कर रहे हैं। उन्होंने जम्मूझकश्मीर से धारा 370 हटाकर वह ऐतिहासिक कार्य किया, जो आजादी के बाद पूरा नहीं हो सका था। यह लौहपुरुष सरदार पटेल को सच्ची श्रद्धांजलि है।उन्होंने आगे कहा- 'सैकड़ों रियासतों को एक सूत्र में पिरोकर सरदार पटेल ने अंग्रेजों तक को लोहे का चना चबवा दिया था। कांग्रेस ने कभी सरदार पटेल का सम्मान नहीं किया। उनकी अंतिम यात्रा में कांग्रेस कार्यकताओं को शामिल होने तक से रोका गया था। आज पीएम मोदी उनके हर सपने को साकार कर रहे हैं।चाहे दुनिया की सबसे बड़ी प्रतिमा ह्यस्टैच्यू ऑफ यूनिटी' बनवाना हो या आत्मनिर्भर भारत का विजन।

पहले सांसद 150 गैस कनेक्शन बांटते थे, तब देश का गरीब कभी रसोई गैस का सपना नहीं देख सकता था। लेकिन आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करोड़ों गरीब परिवारों को मुफ्त गैस कनेक्शन देकर सरदार पटेल के सपनों को साकार कर रहे हैं। भारत में रहना है तो वन्देमातरम् कहना होगा—यह हमारी राष्ट्रीय पहचान है। पूर्व मंत्री एवं इलाहाबाद लोकसभा की पूर्व सांसद रहीं प्रो. रीता बहुगुणा जोशी ने कहा- सरदार पटेल का स्वतंत्रता आंदोलन में योगदान अतुलनीय है। उनकी दृढ़ इच्छा शक्ति और त्याग से ही भारत की एकता की नींव मजबूत हुई। आज की एकता यात्रा देश को एक सूत्र में बांधे रखने की प्रेरणा देती है।

बारा विधायक डॉ. वाचस्पति ने व्यवस्था एवं प्रशासनिक क्षमताओं पर प्रकाश डालते हुए कहा सरदार पटेल आधुनिक भारत के निमार्ताओं में थे। उनकी प्रशासनिक क्षमता, दूरदर्शिता और कठोर निर्णय लेने की क्षमता ने भारत को स्थायी रूप से एकता के सूत्र में बांधा। हम सबको उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लेना चाहिए।ह्व

यात्रा का नेतृत्व कर रहे भाजपा यमुनापार जिलाध्यक्ष राजेश शुक्ल ने कहा बारा विधानसभा के नागरिकों और कार्यकताओं ने जिस उत्साह से इस यात्रा को सफल बनाया है, वह सराहनीय है। सरदार पटेल के आदर्श आज भी देश को मजबूती और एकता का मार्ग दिखाते हैं।

जिला प्रवासी अमरनाथ यादव, जिला सह-प्रवासी कविता पटेल ने भी सरदार पटेल के कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर पूर्व जिलाध्यक्ष विभवनाथ भारती, महिला मोर्चा प्रदेश मंत्री आकांक्षा सोनकर, ब्लॉक प्रमुख निर्मला देवी, जिला महामंत्री पुष्पराज सिंह पटेल, जिला उपाध्यक्ष अशोक पांडेय, संतोष त्रिपाठी,जय सिंह पटेल, ज्ञान सिंह पटेल, जिला मंत्री कमलेश त्रिपाठी, प्रकाश शुक्ल प्रचंड, शिवराम सिंह परिहार, जिला मीडिया प्रभारी दिलीप कुमार चतुर्वेदी, जिला आईटी प्रमुख सतीश विश्वकर्मा, विधायक मीडियाप्रभारी बारा नीरज केसरवानी, मिथिलेश पांडेय, मंडल अध्यक्ष जगत नारायण शुक्ल, दिनेश, आशीष पाल, बंदना, अखिलेश, रामानंद, अम्बुज त्रिपाठी, राजमणि, सुधाकर, सुभाष सिंह सहित भारी संख्या में कार्यकर्ता एवं नागरिक उपस्थित रहे।

मांडा क्षेत्र में खुलेआम बिक रही स्मैक-गांजा, स्थानीय प्रशासन पर सवाल, युवा पीढ़ी नशे की चपेट में

अखंड भारत संदेश

मांडा। यमुनापार मांडा क्षेत्र के बाजारों में स्मैक और गांजे की खुलेआम बिक्री हो रही है। इस अवैध कारोबार को लेकर स्थानीय प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं। निवासियों का आरोप है कि नशे का यह व्यापार लगातार बढ़ रहा है, जिस पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही है। स्थानीय लोगों के अनुसार, मांडा खास, गिरधरपुर, भारतगंज, खवासकातारा, दसवार, हाटा, कूदर, सुरवादलापुर, दिघिया, महेवा, नहवाई और मांडा रोड जैसे प्रमुख बाजारों में स्मैक और गांजा खुलेआम बेचा जा रहा है। ये अवैध गतिविधियां सार्वजनिक स्थानों पर चल रही हैं।

इन गतिविधियों से क्षेत्र में अपराध और असामाजिक तत्वों की सक्रियता बढ़ने का खतरा है। निवासियों का कहना है कि प्रशासन को इस अवैध कारोबार की जानकारी है, लेकिन इसके बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। जागरूक नागरिकों ने बताया कि लगातार शिकायतों के बाद भी पुलिस और प्रशासन की चुप्पी कई सवाल खड़े करती है। ग्रामीणों के अनुसार, नशे का यह जाल युवाओं, खासकर स्कूल-कॉलेज के छात्रों को सबसे अधिक प्रभावित कर रहा है। शाम के समय कई बाजारों में संदिग्ध गतिविधियां देखी जाती हैं, जो युवा पीढ़ी को नशे की ओर धकेल रही हैं।

स्थानीय लोगों ने जिला प्रशासन और पुलिस अधिकारियों से मांग की है कि इन बाजारों में जल्द से जल्द अभियान चलाकर नशे के व्यापार पर रोक लगाई जाए। उन्होंने इस अवैध नेटवर्क में शामिल लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की भी अपील की है। इस संबंध में मांडा इंस्पेक्टर अनिल कुमार ने बताया कि अपराधियों और अवैध कारोबारियों के हर पहलू पर नजर रखी जा रही है। उन्होंने आश्वस्त किया कि ऐसे मामलों में संलिप्त पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

शादी समारोह से लौट रहे व्यक्ति को रास्ते मे रोक कर दबंगो ने मारा पीटा मुकदमा दर्ज

मऊआइमा। शादी समारोह से वापस लौट रहे व्यक्ति को दबंगों ने रास्ते मे रोक कर मारा पीटा तथा जान से मारने की धमकी दी।पीड़ित ने थाने में तहरीर दे कर एक नामजद दो अज्ञातों के खिकफ मुकदमा दर्ज करा दिया है।

मऊआइमा थाना क्षेत्र के महौंदा गांव निवासी सय्यद सिमाब पुत्र सऊद आलम के मुताबिक वह नौ नवंबर को रात लग भग नौ बजे एक शादी हाल में निमंत्रण में गया था।वापस लौटते समय पुरानी रंजिश को लेकर नौशाद अली पुत्र अहमद अली निवासी जमखुरी अपने दो अज्ञात साथियों को केकर रास्ते मे रोक कर गालिया देते हुए मारे पीटे तथा जान से मारने की धमकी दिए।पीड़ित ने मऊआइमा थाने में तहरीर दे कर उक्त आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दिया है।पुलिस मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच पड़ताल कर रही है।

गुरु नानक देव जी के प्रकाश उत्सव पर सबद-कीर्तन और लंगर का भव्य आयोजन

अखंड भारत संदेश

शंकरगढ़। गुरु नानक देव जी के प्रकाश उत्सव के अवसर पर गुरुद्वारा साहिब शंकरगढ़, सिन्धी टोला में पंजाबी, सिन्धी समाज द्वारा वार्षिक परंपरा के अंतर्गत भव्य सबद-कीर्तन और गुरु का लंगर बड़े हर्ष और उत्साह के साथ संपन्न हुआ। सुबह से ही गुरुद्वारा परिसर में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी और वातावरण वाहेगुरु के मंगलमय जयकारों से गुंजायमान रहा।

कीर्तन की मधुर धुनों में संगत देर तक डूबी रही और गुरु महाराज से आशीष प्राप्त किया। इसके उपरांत आयोजित गुरु का लंगर में सैकड़ों की संख्या में पंजाबी व सिन्धी समाज के लोगों के साथ ही क्षेत्रीय जनता ने श्रद्धा पूर्वक मत्था टेका और प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम में कक्के सरदार, मंजीत सिंह सरदार जी, ऋषि चावला, राजीव चावला, डिंपी चावला, टीटू सरदार, हेमंत दास, अनुपम सिंह, मधु जी, अशोक केशरवानी, चंद्रमणि मिश्र, अनूप केसरवानी, सचित गुप्ता सहित बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे और आयोजन को सफल बनाया।

रोटरी क्लब मिडटाउन एवं इनाली फाउंडेशन द्वारा निःशुल्क कृत्रिम हाथ वितरण शिविर सम्पन्न

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। रोटरी क्लब ऑफ इलाहाबाद मिडटाउन द्वारा इनाली फाउंडेशन के सहयोग से आयोजित निःशुल्क बैटरी-ऑपरेटेड कृत्रिम हाथ वितरण शिविर आज केसर भवन, पन्ना लाल रोड, प्रयागराज में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। शिविर में बड़ी संख्या में लाभार्थियों को आधुनिक तकनीक से निर्मित कृत्रिम हाथ प्रदान किए गए।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि ए. के. गौतम, ज़िला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी ने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया और रोटरी क्लब के इस मानवीय प्रयास की प्रशंसा की। रोटरी क्लब के अध्यक्ष विनय गोयल ने बताया कि यह परियोजना आर्थिक रूप से कमजोर एवं जरूरतमंद दिव्यांगजन को पुनः आत्मनिर्भरता प्रदान करने हेतु आयोजित की गई है।शिविर में सम्मानित सदस्य उपस्थित रहे । रोटरी क्लब ने ज़िला दिव्यांगजन सशक्तिकरण कार्यालय का विशेष आभार व्यक्त किया, जिनके सहयोग से लाभार्थियों का चयन एवं शिविर का संचालन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। रोटरी क्लब ऑफ इलाहाबाद मिडटाउन ने भविष्य में भी इसी प्रकार समाज सेवा के कार्यों को निरंतर जारी रखने का संकल्प व्यक्त किया।

हाई कोर्ट ने वकील के 'फर्जी' होने के मामले में हस्ताक्षर की FSL जांच के दिए आदेश, एक माह में मांगी रिपोर्ट

प्रयागराज। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने एक जनहित याचिका में शामिल एक वकील की पहचान और दस्तावेजों पर लगे हस्ताक्षरों की सच्चाई जांचने के लिए फारेंसिक जांच का आदेश दिया गया है। मामला फतेह मेमोरियल इंटर कालेज, तमकुही, कुशीनगर के प्रबंधन समिति के चुनाव को चुनौती देने वाली एक जनहित याचिका का है। यह आदेश न्यायमूर्ति क्षितिज शैलेंद्र और मुख्य न्यायाधीश अरुण भंसाली की खंडपीठ ने दिया है।याचिकाकर्ता संगीता गुप्ता ने वर्ष 2023 में हुए प्रबंधन समिति के चुनाव को चुनौती दी। बाद में उन्होंने याचिका वापस लेने के लिए एक आवेदन दाखिल किया। इसी आवेदन को लेकर विवाद शुरू हुआ जब संस्थान की ओर से यह आरोप लगाया गया कि याचिकाकर्ता ने विपक्षी पक्ष के वकील परिजात श्रीवास्तव के हस्ताक्षर नकली करके दिखाया कि उन्हें वापसी आवेदन की कापी मिल गई है।प्रतिवादी पक्ष (कालेज प्रबंधन) ने अदालत में एक आवेदन दायर कर आरोप लगाया कि याचिकाकर्ता संगीता गुप्ता, उनके वकील अमित प्रताप सिंह और एक अन्य वकील अशरफ अली आपसी साठगांठ से लगातार झूठे और दिखावटी मुकदमे दाखिल कर रहे हैं।

5 किलोमीटर प्रखंड स्तरीय दौड़ प्रतियोगिता में विजेताओं को किया गया सम्मानित

अखंड भारत संदेश

मऊआइमा। बजरंग दल व विश्व हिन्दूपरिषद के तरफ से रन फर प्रभु श्री राम 5 किलोमीटर प्रखंड स्तरीय दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसके आयोजक सम्राट अमन मौर्या, शमशेर यादव व दिनेश मौर्या, पूर्व ब्लॉक प्रमुख सुधीर मौर्या ,प्रशिक्षित कोच राम कृष्ण मौर्य की का सहयोग से दौड़ प्रतियोगिता हुई। मुख्य अतिथि डॉ कृष्ण जी संगठन मंत्री विश्व योग परिषद व विशिष्ट अतिथि शिवांश श्रीवास्तव प्रदेश संगठन मंत्री, अभिषेक यादव, थाना प्रभारी पंकज अवस्थी ने फीता काटकर शुभारंभ किया गया। यह दौड़ मरखामऊ संघ कार्यालय से होते हुए घूर घाट प्राथमिक विद्यालय से पुनः संघ कार्यालय पर समाप्त हुई। विजेताओं को आकर्षक नगद पुरस्कार दिए गए। वहीं टी वी एस एजेंसी के श्याम मूर्ति मौर्य , हरि प्रसाद ऑटो सेल, अग्रहरि इंटरप्राइजेज, श्रीराम इंटरप्राइजेज, कृष्णा बुक डिपो,खुशबू जेलवर्स, हाईटेक कंप्यूटर, बाला जी सोलर की तरफ से गिफ्ट पैक दिया गया। इस दौड़ में मऊआइमा के ही प्रतिभागी ही शामिल रहे जिसमें प्रथम स्थान प्रदीप पाल, दूसरा स्थान शिव कुमार गुप्ता, तीसरा स्थान अक्षत जायसवाल, चौथा स्थान यशवंत, पांचवां हेमंत समेत 11 धावकों को पुरस्कार दिया गया। इस मौके आशीष शर्मा, राज पटेल, आकाश सोनी, चंद्र जीत यादव, अभिषेक मौर्या , राजीव पटेल, इमरान अहमद, राजू सलमानी, जमील अहमद, पियूष आदि समेत सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

भागवत कथा श्रवण करना जीवन का परम सौभाग्य : अवनीश महाराज

जंघई। चनेथू गांव में मुख्य यजमान गायत्री देवी एवं? धनंजय पांडेय के निवास पर आयोजित संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ सप्ताह के प्रथम दिवस कलश यात्रा, मंडप प्रवेश, देव पूजन एवं भागवत महात्म्य प्रसंग को कथा व्यास आचार्य अवनीश भाई जी महराज ने सुनाया। महराज ने जीवन में सत्संग व शास्त्रों में बताए आदर्शों का श्रवण करने का आह्वान करते हुए कहा कि सत्संग में वह शक्ति है, जो व्यक्ति के जीवन को बदल देती है। उन्होंने कहा कि व्यक्तियों को अपने जीवन में क्रोध, लोभ, मोह, हिंसा आदि का त्याग करके विवेक के साथ श्रेष्ठ कर्म करना चाहिए। भागवत कथा के दूसरे दिन महाराज ने परीक्षित जन्म, शुकदेव आगमन प्रसंग का वर्णन किया। इस अवसर पर पंडित ओमप्रकाश ओझा, कैलाश नाथ पांडेय एवं राजकुमारी पांडेय, फूलचंद्र पांडेय, गुलाब चंद्र पांडेय, रामचंद्र पांडेय, तीर्थराज पांडेय, हरिमोहन पांडेय, कृष्णराज पांडेय, सुरेंद्र कुमार, शिव कुमार, सर्वेश कुमार, दिलीप कुमार पांडेय, अमित, धर्मेंद्र, जितेंद्र, सुनील, शुभम, ओम, साहिल, अनुज, उत्तम, ध्रुव, वेदांस सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

बारात न आने से वधू पक्ष के लोगों का अपमान

लाखों का नुकसान और वधू का किया गया अपमान,कोरांव और खुल्दाबाद थाना को किया गया सूचित,केस दर्ज किए जाने की रपट

अखंड भारत संदेश

कोरांव। थाना कोरांव क्षेत्र के ग्राम सभा देवघाट में वर पक्ष के लोगों की शनिवार 15 नवंबर को बारात न आने से लड़की वाले गमगीन हुए सारी व्यवस्था कष्टमय हो गई, थाना प्रभारी कोरांव को लड़की के पिता रमजान अली ने बधू पक्ष के खिलाफ रपट दी है।

बता दें कि देवघाट कोरांव में रमजान अली पुत्र मोहम्मद शाकिर के बेटी रोजी की शादी खुल्दाबाद भुसावल टोला थाना खुल्दाबाद के तनवीर के साथ तय थी। और बारात 15 नवंबर 2025 को दिन में आने की तिथि मुकर्रर थी। घराती सारी व्यवस्था कर लोगों के आवभगत में लीन थे। खाना पीना चल रहा था किंतु देर चार बजे तक बारात नहीं आई तो लोगों ने लोकेशन लिया। तब बरात पक्ष के लोग सूचित किए कि लड़का कहीं गायब हो गया है इस लिए बारात नहीं आ सकेगी। बधू पक्छ के लोगों को सांप सूंघ गया। लोग प्रयागराज जब वर पक्ष के घर तहकीकात हेतु पहुंचे तो लडके के फूफा और बहनोई ने बताया कि जब लड़का ही लापता है कहीं भाग गया है तो क्या बताऊं। इससे बारात नहीं जा पाई, उक्त घटना की सूचना खुल्दाबाद थाने में दी गई। किंतु वहां की पुलिस ने जांच करने की बात कही। और स्थानीय थाना में रिपोर्ट करने को कहा।

फिलहाल रमजान अली ने थाना कोरांव में सारी घटना क्रम, अवमानना, अपमान, बेइज्जती आठ नौ लाख रुपए तथा सम्मान की हानि का हवाला देकर वर और उसके फूफा,बहनोई के विरुद्ध रपट दर्ज कर विधिक आवश्यक कार्यवाही किए जाने की मांग की है।

फिलहाल वधू पक्ष के लोगों द्वारा वर पक्ष की यह हरकत अमानवीय है,जो उचित होगा विधिक कार्यवाही होगी। यदि लड़का गायब है तो गुमशुदगी की रपट स्थानीय थाना में होनी चाहिए। या बारात न आने की पूर्व में सूचना दे दी गई होती।

-राकेश कुमार वर्मा
थाना प्रभारी कोरांव प्रयागराज

दबंगई : सरकारी भूमि के अतिचारी ने रोक के बावजूद काट ली जबरजस्ती धान की फसल

ग्राम प्रधान ने एसडीएम,थाना प्रभारी कोरांव से की रिपोर्ट दर्ज करने की मांग,समाधान दिवस में भी तहसीलदार कोरांव को दिया गया कार्यवाही का निर्देश

कोरांव। तहसील कोरांव में कुछ चिन्हित भू अतिचारियों के विरुद्ध निरंतर हो रही कार्यवाही के बावजूद एवं ग्राम प्रधान तथा लेखपाल के रोक के बावजूद ग्राम सभा अलहवा में करीब दो बीघा नाले की भूमि चोरी छिपे बोई गई धान की फसल को काट कर गायब कर दिया गया।

बता दें कि ग्राम अल्हवा के निरस्त कोटेदार लाल बहादुर पाल और उसके पुत्र पवन कुमार पाल ने गाटा संख्या 1036 ख में जबरन धान की फसल काट लिया। इसके पूर्व भी उक्त अतिचारियों ने चोरी से रोक और सुपुर्दगी में दी गई ग्राम प्रधान की फसल को काट कर चुरा ले जाने के आरोप में पिछले वर्ष थाना कोरांव में मुकदमा अपराध संख्या 46/2025 धारा 379,411,आई पी सी में जेल गए थे। आरोप पत्र भी कोर्ट में दाखिल हो गया है। साथ ही क्राइम नंबर 24/2025 धारा 3/5 लोक संपत्ति निवारण अधिनियम में भी केस दर्ज है, बावजूद इसके उक्त सरहगो की राजस्व प्रशासन,ग्राम सभा, ग्राम पंचायत, प्रशासन पुलिस आदि का खौफ नहीं दिख रहा। प्रभारी अधिकारी तहसील दिवस ने तहसीलदार को कार्यवाही के लिए आदेशित किया है।

न्यूज झरोखा

अशोक सिंह मांडा के दूसरे जननायक, पूर्व प्रधानमंत्री वीपी सिंह के बाद मिली पहचान

प्रदीप कुमार

मांडा। प्रयागराज के मांडा में पूर्व ब्लॉक प्रमुख अशोक सिंह को पूर्व प्रधानमंत्री वीपी सिंह के बाद दूसरे जननायक के रूप में देखा जाता है। उन्होंने क्षेत्र में अपनी राजनीतिक पहचान बनाई है और लगभग 25 वर्षों से मांडा ब्लॉक में सक्रिय हैं। अशोक सिंह ने समाजवादी पार्टी से अपनी पत्नी रेखा सिंह को जिला पंचायत अध्यक्ष और मांडा ब्लॉक प्रमुख बनवाया था। इसके बाद सपा की राजनीतिक गतविधिया को देखते हुए 2014 में पार्टी पार्टी छोड़कर भारतीय जनता पार्टी का दामन थाम लिया और वर्तमान में भाजपा के टिकट पर पुत्रवधू प्रगति सिंह मांडा की ब्लॉक प्रमुख पद पर चयन किया हैं। अशोक सिंह की चर्चा मांडा और प्रयागराज के अलावा पूरे प्रदेश में होती है, जहां उन्होंने सर्व समाज में अपनी गहरी छाप छोड़ी है। पूर्व प्रधानमंत्री वीपी सिंह (25 जून 193127 नवंबर 2008) भारत के आठवें प्रधानमंत्री थे, जिन्होंने 2 दिसंबर 1989 से 10 नवंबर 1990 तक सेवा की। उनका जन्म मांडा के एक शाही परिवार में हुआ था। उन्होंने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री, केंद्रीय वित्त मंत्री और केंद्रीय वाणिज्य मंत्री सहित कई प्रमुख पदों पर कार्य किया। वीपी सिंह को राजीव गांधी सरकार के दौरान राजनीतिक भ्रष्टाचार को उजागर करने, बोफोर्स सौदे को सामने लाने और मंडल आयोग की सिफारिशों को लागू करने के लिए जाना जाता है। उनके विचारों से प्रभावित होकर मांडा के पिछड़ा, दलित और शोषित समाज उन्हें जननायक मानता है। अशोक सिंह ने पूर्व प्रधानमंत्री स्व. वीपी सिंह की स्मृति में मांडा ब्लॉक के मुख्य गेट पर 'स्मृति द्वार' का निर्माण भी यादगार के लिए कराया जा रहा है। पूर्व प्रधानमंत्री स्व. वीपी सिंह की कोठी राजमहल आज भी मांडा खास में शोभायमान है।

राज्यसभा सांसद सीमा द्विवेदी का थानापुर में कार्यकताओं ने किया भव्य स्वागत

सहसों। भाजपा कार्यकताओं ने राज्यसभा सांसद सीमा द्विवेदी का मंगलवार को सहसों के थानापुर स्थित एक रेस्टोरेंट में गर्मजोशी से भव्य स्वागत किया। कार्यकताओं ने उन्हें पुष्प गुच्छ एवं बुके भेंट कर सम्मान किया। इस अवसर पर सांसद सीमा द्विवेदी ने अपने संबोधन में कहा कि कार्यकताओं की मेहनत और प्रधानमंत्री के कुशल नेतृत्व के कारण ही बिहार में भाजपा को प्रचंड बहुमत प्राप्त हुआ है। उन्होंने सभी कार्यकताओं से एकजुट होकर संगठन को और अधिक मजबूत बनाने का आह्वान किया। कार्यकताओं से कुशल छेम जानते हुए सांसद ने कहा कि कार्यकर्ता जनता के बीच जाकर केंद्र और राज्य सरकार की उपलब्धियों तथा महत्वपूर्ण जन कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी जन जन तक पहुँचाएं ताकि प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ सुनिश्चित किया जा सके। इस मौके पर प्रमुख रूप से पिंटू दुबे, शुभम द्विवेदी, रजत द्विवेदी, दिनेश शुक्ला, विजेंद्र मिश्रा, संतोष भारतीय, विशाल शर्मा, देवेंद्र तिवारी सहित आदि पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जसरा बाजार सहित गांवों की नालियां चोक होने से परेशानी

जसरा। विकास खंड के जसरा बाजार सहित गांवों की नालियां चोक हो जाने के कारण आवागमन करने वाले लोगों को भारी मुसीबत का सामना करना पड़ रहा है। प्रदेश सरकार द्वारा समय-समय पर सफाई अभियान भी चलाया जा रहा है लेकिन जल निकासी की समस्या जब की तस बनी हुई है। प्रयागराज बांदा राष्ट्रीय मार्ग पर स्थित जसरा बाजार में बनाई गई सड़क के दोनों ओर नालियों का पानी सड़क पर बह रहा है। जल जमाव होने के कारण सड़क गड्ढे में तब्दील हो गया। आने जाने वाले लोग नाली के पानी से होकर गुजर रहे हैं। कभी कभी तो पानी से होकर निकलने वाले बाइक, साइकिल सवार के साथ ही पैदल निकलने वाले लोगों को भारी वाहनों से सड़क पर भरा पानी लोगों को भिगो दिया करते है।नाली का निर्माण पांच दशक पूर्व हुआ था। तबसे आज तक इसकी साफ सफाई कार्य नहीं कराया गया है। पूरे बाजार में जगह जगह नाली का पानी सड़क पर हर गया है। पीडब्ल्यूडी विभाग के अधिकारियों के कान में जूं तक नहीं रेंगता है। स्थानीय लोगों ने पूरे बाजार में दोबारा शादी निर्माण कराए जाने के लिए सरकार से गुहार लगायी है।

एसआईआर फॉर्म भरना सभी मतदाताओं के लिए अनिवार्य

सहसों। चुनाव एवं मतदाता सूची तथा लोगों द्वारा मतों का प्रयोग को और अच्छा बनाने के लिए गाँवों में इन दिनों बूथ स्तर अधिकारियों (इछड) द्वारा मतदाताओं के एस आई आर फॉर्म तेजी से भरवाए जा रहे हैं। बूथ लेवल ऑफिसर मंजू सरोज, नीलम, अर्चना पांडे और सुमन सरोज ने जानकारी देते हुए बताया कि वर्तमान में प्रत्येक गाँव में प्रत्येक मतदाता का एस आई आर फॉर्म भरना अत्यंत आवश्यक है। अधिकारियों के अनुसार, जो भी मतदाता यह फॉर्म नहीं भरेंगे उनके नाम मतदाता सूची से हटाए जा सकते हैं। ऐसे में यह जरूरी है कि सभी मतदाता जागरूक होकर एस आई आर फॉर्म में मांगी गई सभी आवश्यक जानकारी सही-सही भरकर समय पर जमा कराएँ, ताकि उनका नाम मतदाता सूची में सुरक्षित बना रहे। अधिकारियों ने कहा कि फॉर्म भरने में लापरवाही करने वाले मतदाता आगामी चुनाव में मतदान करने के अधिकार से वंचित भी हो सकते हैं। इसलिए सभी ग्रामीणों से अपील है कि वे शीघ्रता से अपने-अपने एस आई आर फॉर्म भरकर अपने संबंधित बीएलओ को उपलब्ध कराएँ और लोकतांत्रिक प्रक्रिया में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें।

रंजिशन दबंगो ने ईटों से मार कर लहुलुहान कर दिया मुकदमा दर्ज

मऊआइमा। पुरानी रंजिश को लेकर पड़ोसी एक राय होकर एक व्यक्ति को जमीन पर पटक कर ईट पत्थरों से मार पीट कर लहुलुहान कर दिया गया। पुलिस ने दो के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। मऊआइमा थाना क्षेत्र के छात बडौरा गांव निवासी फूलचंद्र पुत्र कालूराम का आरोप है कि पुरानी रंजिश को लेकर पड़ोसी एक राय होकर जमीन पर गिरा कर ईट पत्थरों से मार पीट कर लहुलुहान कर दिए तथा जाते जाते गालियां भी दी। भुक्तभोगी फूलचंद्र ने मऊआइमा थाने में राकेश कुमार और राजेश कुमार के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दिया है। पुलिस मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

लखरावा गांव निकट बाग में मिले शव की हुई शिनाख्त

फूफा के यहाँ रहकर करती थी पढ़ाई, 10 नवंबर को घर से निकली थी युवती : जाँच में जुटी पुलिस

कक्षा ग्यारहवीं की थी छात्रा : राजकीय गर्ल्स इंटर कॉलेज कटरा में पढ़ती थी छात्रा

अखंड भारत संदेश

थरवई। लखरावा गांव निकट बाग में महुए के पेड़ के नीच जमीन में गड़ी लाश पायी गई थी। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे लेते हुए जाँच में जुटी रही। वही साक्ष्य भी जुटाने में जुटी रही पुलिस। काफी जाँच पड़ताल के बाद अज्ञात महिला की लाश की शिनाख्त हुई तो जिसमें मृतिका साक्षी यादव पुत्र ज्ञानेंद्र कुमार जो थाना क्षेत्र सोरांव के बनकट सोरहावा गांव की युवती थी जिसकी उम्र 17 वर्ष जो नाबालिक के रूप में पहचान हुई है। बताया जा रहा कि बीते चार दिन पूर्व 10 नवंबर को घर से लापता हुई थी। युवती की हत्या कैसे और कब हुई जिसको लेकर पुलिस की संयुक्त टीमें जाँच पड़ताल में जुटी है। युवती अपने फूफा श्याम लाल जो आर्मी में हवलदार है उन्ही के साथ साथ रहती थी साथ ही साक्षी यादव की पढ़ाई भी वहीं से चल रही थी। युवती कटरा स्थित जी०जी०आई० इंटर कॉलेज कटरा में कक्षा 11 वीं में अध्यरत छात्रा थी। रोज की भांति साक्षी यादव अपने फूफा के यहाँ से घर पर स्कूल जाने की बात कहकर घर से निकली थी। लेकिन जब घर आने का समय हुआ तो वो घर पर नहीं पहुंची जैसे जैसे दोपहर से शाम ढलती गई और शाम 4 बज गए लेकिन वो घर नहीं पहुंची तो सभी चिंता करने लगे और बच्ची की खोजबीन में जुट गए काफी प्रयास के बाद भी कुछ पता नहीं चल सका। युवती अपने फूफा श्याम लाल आर्मी में हवलदार क्वार्टर नंबर टी - 3 / 02 स्टैंगींग कैम्प न्यू कटरा प्रयागराज में रहती थी। काफी खोजबीन के बाद पता ना चल सका तो थाना कैंट में पिता ज्ञानेंद्र की तहरीर पर 11 नवंबर को बेटी की गुमशुदगी दर्ज कराई। जिसमें पुलिस द्वारा खोजबीन चलता रहा। 11 नवंबर को थाना क्षेत्र सोरांव के कटियाही के समीप युवती के स्कूल का बैग मिला। तभी इसकी खबर मिली तो खोजबीन और बढ़ गई। जाँच पड़ताल करते हुए बॉडी को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। हत्या कैसे हुई किसने आदि सभी विषयों पर पुलिस निरन्तर छानबीन में जुटी है।

फूफा के क्वार्टर से स्कूल के लिए निकली थी युवती जमीन में दफन मिला युवती का शव

शनिवार की सूबह ग्रामीणों द्वारा थाना क्षेत्र थरवई के ग्राम लखरावा गांव समीप बाग में युवती की हत्या कर जमीन में मिट्टी में दबे हुये एक शव दिखालाई दिया। केवल उसके हाथ थोड़े से दिखते मिले व दुपट्टे भी पाए गए। तो इसकी सूचना सुबह करीब साढ़े आठ बजे पुलिस को सूचना मिली तो मौके पर थाना थरवई सहित थाना सरायइनायत, फाफामऊ की फोर्स व एसीपी थरवई चंद्रपाल सिंह, फॉरेसिक व एसओजी टीम घटनास्थल पर पहुंची और छानबीन में जुटे रहे। तभी कुछ ही समय में डीसीपी गंगानगर कुलदीप सिंह गुनावत, एडीसीपी पुष्कर वर्मा भी मौके पर पहुंचे मामले को हर एंगल से जाँच में जुटे रहे। एसीपी थरवई ने बताया की बॉडी पर प्रथम दृष्टया सिर पर चोट के निशान प्रतीत होना प्रतीत हो रहा है। और यह भी बताया की पुलिस की संयुक्त टीमें जाँच पड़ताल में जुटी है।

साक्षी यादव के रूप में हुई युवती की पहचान : नाबालिक थी युवती

सोरांव अंतर्गत ग्राम बनकट सोरहावा सोरांव की रहने वाली थी साक्षी जो अपने फूफा श्याम लाल आर्मी में हवलदार थे उन्ही के यहाँ क्वार्टर में सबके साथ रहती थी। जो कक्षा ग्यारहवीं की छात्रा थी स्कूल में पूछताछ किया गया तो बताया की आज वो स्कूल नहीं आयी थी।

सोरांव महोत्सव का तीन दिवसीय कार्यक्रम संपन्न

अखंड भारत संदेश

सोरांव। जनपद प्रयागराज के विकास खंड सोरांव के मेवालाल इंटर कॉलेज सोरांव के खेल मैदान में बड़े ही भव्य तरीके से कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रहे मा विधायक विधान परिषद सुरेंद्र चौधरी जी एवं विशिष्ट अतिथि हर्ष वर्धन बाजपेई रहे। इस दौरान कई विद्यालय में प्राथमिक विद्यालय राजापुर परशुरामपुर, प्रा वि नारायणपुर, प्राथमिक विद्यालय इस्माइलगंज सेकेंड, प्रा वि श्रृंगारपुर, कंपोजिट विद्यालय भदरी, उ. प्रा वि मलाक चौधरी, कंपोजिट विद्यालय ममोहम्मदपुर, प्रा वि दांदुपुर आदि सभी विद्यालयों द्वारा टी एल एम प्रदर्शनी लगाई गई जिसमें अपनी मातृ भाषा हिन्दी विषय, अंग्रेजी, गणित, विज्ञान आदि सभी विषयों पर रहा। इन सभी टीएलएम लगाने का मुख्य उद्देश्य था की बच्चों को सिखाने पढ़ाने में सरलतम रूप मिले और आसानी से सीख सकें। इसमें इको फ्रेंडली एवं पर्यावरणीय गतिविधि, संचारी रोग निदान जागरूकता, बुनियादी संख्या ज्ञान और गणितीय मान बिंदुओं से संबंधित तथा भाषायी निपुणता हेतु अक्षर ज्ञान, शब्द, वाक्य, एवं कोष निर्माण कौशल से जुड़े टीएम का प्रदर्शन किया गया। जिसे एआरपी टीम के कुशल मार्गदर्शन में शिक्षिकाओं द्वारा तैयार कर प्रस्तुत गया। तीन दिवसीय समापन पर विकासखंड खंड सोरांव की शिक्षा अधिकारी सुमन मिश्रा के नेतृत्व में और नोडल एआरपी अखिलेश कुमार शुक्ल के सफल संचालन में विकासखंड के विभिन्न विद्यालयों की शिक्षिकाओं द्वारा टीएलएम मेला का सफल आयोजन संपन्न हुआ।

हवाला गिरोह का बड़ा खेल उजागर, आरोपी फरार, गांव-गांव छापेमारी तेज

अखंड भारत संदेश

- कौंधियारा पुलिस के हाथ खाली
- 40-45 लाख की विदेशी फंडिंग प्रति खाता

प्रयागराज। थाना क्षेत्र कौंधियारा में गरीब ग्रामीणों के बैंक खातों को हथियार बनाकर करोड़ों रुपये के हवाला लेनदेन कराने वाले संगठित नेटवर्क का मामला तेजी से गहराता जा रहा है। पीड़ित की ओर से मुख्यमंत्री, पुलिस आयुक्त प्रयागराज और एसीपी कौंधियारा तक शिकायत भेजे जाने के बाद पुलिस पूरी गंभीरता के साथ कार्रवाई में जुट गई है। इसके बावजूद मुख्य आरोपी अभी तक फरार हैं, जिससे मामले ने और भी संदेहास्पद रूप ले लिया है।

रविवार की सुबह पुलिस टीम ने गिधौरा गाँव सहित कई ठिकानों पर दबिश दी, लेकिन सभी आरोपी अपने घर खाली कर फरार मिले। पुलिस ने आरोपितों के परिजनों को कड़ाई से निर्देश दिया है कि बैंक पासबुक, एटीएम कार्ड, मोबाइल सिम, आधार कार्ड की फोटो कॉपी, खाता संबंधी दस्तावेज और अन्य जरूरी वस्तुएं तत्काल थाने में जमा करें, ताकि जांच में बाधा न आए।

सूत्रों के अनुसार, यह गिरोह पिछले एक वर्ष में सैकड़ों गरीब ग्रामीणों को अपनी जालसाजी का शिकार बना चुका है। गिरोह के सदस्य पहले ग्रामीणों से बैंक खाते खुलवाते थे, फिर बैंक पासबुक, चेकबुक, एटीएम, सिम कार्ड और संबंधित दस्तावेज अपने कब्जे में ले लेते थे। इसके बाद उन्हीं खातों के माध्यम से विदेशों से 40झ45 लाख रुपये की रकम भेजी जाती थी, जिसे कुछ ही घंटों में निकालकर नेटवर्क के सरगना तक पहुंचा दिया जाता था। करोड़ों रुपये के लेनदेन के चलते खाते सीज हो जाते थे, जबकि असली खाता धारकों को कुछ हजार रुपये देकर चुप कराया जाता था।

पुलिस को शक है कि यह पूरा रैकेट अंतरराष्ट्रीय फंडिंग नेटवर्क, हवाला चैन और संभावित गैरकानूनी गतिविधियों से जुड़ा हुआ है। यही कारण है कि पुलिस ने आरोपितों के मोबाइल नंबर, कॉल डिटेल, बैंक स्टेटमेंट, डिजिटल ट्रांजेक्शन, गांव में उनकी गतिविधियों और संदिग्ध लोगों से संपर्क की जांच तेज कर दी है। पुलिस तकनीकी टीम भी इस मामले में सक्रिय कर दी गई है, ताकि रकम के प्रवाह और नेटवर्क की कड़ी से कड़ी लिंक की पहचान की जा सके। ग्रामीणों की मांग है कि पूरे नेटवर्क का जल्द खुलासा कर उन शक्तियों को भी उजागर किया जाए, जो गांवों में गरीबी और मजबूरी का फायदा उठाकर करोड़ों रुपये की अवैध कमाई कर रहे हैं।

गरीबों के बैंक खातों का दुरुपयोग किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और दोषियों को हर हाल में गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे भेजा जाएगा। आरोपितों पर कार्रवाई के लिए विशेष टीम गठित कर लगातार छापेमारी की जा रही है और उच्च अधिकारियों को जांच की प्रगति की नियमित जानकारी भेजी जा रही है।

-एसीपी कौंधियारा- अब्दुस सलाम खान

अमिलिया धाम में दर्शन करने वालों की लग गयी लंबी कतार देर रात तक चलती रही भीड़

अखंड भारत संदेश

लालापुर। अमिलिया गांव स्थित मसुरिया देवी धाम में रविवार को माता का दर्शन पूजन करने प्रयागराज के अलावा आस पास के जनपदों से श्रद्धालू मसुरिया धाम पहुंचे और माता का पूजा अर्चना कर आशीर्वाद प्राप्त किया ।लालापुर थाना क्षेत्र के अमिलिया गांव स्थित ऐतिहासिक मसुरिया धाम का मेला एक माह तक चलता है । रविवार को प्रयागराज जनपद सहित आसपास के जनपद से श्रद्धालू पहुंचे और माता का दर्शन पूजन किया ।माता मसुरिया का दर्शन करने के लिए लगभग तीन सौ मीटर लंबी लाइन लगी रही ।भोर से ही भक्तों की कतार लग गयी जो अनवरत देर रात तक पट बंद होने तक चलती रही ।माता को फूल माला सहित सोने और चांदी के लाखों रुपए के आभूषणों से सजाया गया ।सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर एसीपी बारा कुंजलता, थानाध्यक्ष लालापुर अनुभव सिंह के साथ मौके पर पहुंची और मंदिर परिसर के आसपास कभी श्रद्धालुओं की भीड़ को नियंत्रित किया ।

प्रेस दिवस : मीडिया का बदलता स्वरूप है लोकतंत्र का चौथा स्तंभ

प्रेस दिवस केवल पत्रकारों का उत्सव नहीं, बल्कि लोकतंत्र का उत्सव है : तनु कुशवाहा

अखंड भारत संदेश

तनु कुशवाहा
प्रयाग पीजी कॉलेज हेतापट्टी प्रयागराज
छात्रा - बैचलर ऑफ लेजिस्लेटिव लॉ

थरवई । हर वर्ष 16 नवम्बर को हम राष्ट्रीय प्रेस दिवस मनाते हैं। राष्ट्रीय प्रेस दिवस की स्थापना 16 नवंबर सन- 1966 को हुई थी। जिस दिन भारतीय प्रेस परिषद ने अपना काम शुरू किया था। यह दिन केवल एक औपचारिकता ही नहीं है बल्कि भारतीय पत्रकारिता के गौरव, उसकी साहस, सशक्त ज्ञान, कड़ी मेहनत व भूमिका और उसकी ज़िम्मेदारियों की याद दिलाने वाला विशेष अवसर है। यह वह दिन है जब हम प्रेस की स्वतंत्रता, निष्पक्षता, जवाबदेही और लोकतंत्र के प्रति उसकी निष्ठा को सलाम करते हैं। लोकतंत्र की पूरी संरचना में प्रेस को ह्यचौथे स्तंभह्न का दर्जा दिया गया है और यह दर्जा यूँ ही नहीं मिला बल्कि इसने वर्षों की मेहनत, संघर्ष बलिदान निष्पक्षता साहस बल, ज्ञान निडरता और कर्तव्यपरायणता से इसे साबित किया है। अपनी जान की बाजी लगाकर इस स्तंभ को खड़ा किया गया है आज जब हम सब प्रेस दिवस मना रहे हैं, तो यह आवश्यक है कि हम पत्रकारिता के गौरवपूर्ण इतिहास और उसके वर्तमान स्वरूप, चुनौतियों और उसके संघर्ष, समाज में निभाई जा रही उसकी भूमिका के साथ हम खड़े हो ताकि हम अपने भारत देश व अपने राष्ट्र का विकास कर सकें और हो रहे अन्याय को रोक सके प्रेस का इतिहास बहुत ही लंबा और गौरवपूर्ण और सरहनी रहा है भारत में पत्रकारिता की शुरूआत एक मिशन के रूप में हुई थी। अंग्रेज शासन के दौरान प्रेस ही वह माध्यम था जिसने स्वतंत्रता की भावना को जन-जन तक पहुँचाया। समाचार केवल खबरें नहीं थी, बल्कि वे स्वतंत्रता की अग्नि को जगाए रखने का औजार थे। और आज भी समाज में हो रहे छोटी सी छोटी खबर को हम सब जन-जन तक पहुंचाने का काम कर रहे हैं

इतिहास में कई ऐसे महान व्यक्ति रहे हैं जिन्होंने प्रेस से संबंधित काम किया है, जैसे कि जोहान्स गुटेनबर्ग जिन्होंने प्रिंटिंग प्रेस का आविष्कार किया भारत में, गोपाल कृष्ण गोखले और लाला लाजपत राय जैसे स्वतंत्रता सेनानियों ने भी प्रेस का उपयोग जागरूकता फैलाने और सामाजिक-राजनीतिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए किया। राजा राम मोहन राय जैसे महापुरुषों ने प्रेस को सामाजिक सुधार का उपाय बनाया। बाल गंगाधर तिलक ने अपने समाचार पत्र केसरी के माध्यम से जनता के हृदय में जोश भर दिया। इस तरह प्रेस ने कभी भी अपने कर्तव्य से समझौता नहीं किया। आज भी प्रेस का वही महत्व है। लोकतंत्र तभी स्वस्थ रह सकता है, जब जनता को सही सूचना, सही समय पर और निष्पक्ष रूप में प्राप्त हो। ताकि समय रहते होते हुए अन्याय को रोका जा सके। तनु कुशवाहा ने बताया की हमारी कलम ही एक आवाज है। पत्रकार वही जो आकार बता दे। हर विषय पर हर दृष्टि से खबर पर नजर होनी चाहिए उन्होने कहा की हमारी पत्रकारिता निष्पक्ष व सजग हो सही बात को सही लोगों तक पहुँचाना। चौथा स्तम्भ ही एक कलमकार की पहचान है।

मानव जीवन के समस्त संशय का शमन करती है श्री राम कथा : विनोदानंद सरस्वती

नैनी। नैनी श्रमिक बस्ती स्थित मानस पार्क में आयोजित पांच दिवसीय भव्य सार्वजनिक श्री रामचरितमानस सम्मेलन का उद्घाटन बी एल अकादमी के प्रबंधक राज कुमार त्रिपाठी एवं पूर्व प्रधान शिव शंकर दीक्षित के द्वारा माता सीता एवं भगवान श्री राम के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया। राष्ट्रीय संत, मानस मर्मज्ञ दंडी स्वामी विनोदानंद सरस्वती महाराज ने श्री राम कथा की महिमा का बखान करते हुए कहा कि श्री राम कथा के श्रवण मात्र से मनुष्य के समस्त संशय ऐसे दूर हो जाते हैं जैसे ताली बजाने से पक्षी उड़ जाते हैं। श्री राम कथा मनुष्य के जीवन के समस्त संशय का शमन कर मनुष्य की चतुर्दिक उन्नति का मार्ग प्रशस्त करती हैं। गुरु चरण की वंदना करते हुए महाराज ने कहा कि गुरु कृपा के बिना तो राम कथा की ही नहीं जा सकती। गोस्वामी तुलसीदास जी ने भी श्री रामचरितमानस के प्रारंभ में सर्वप्रथम गुरुचरण की वंदना की है। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से बी एल अकादमी के प्रबंधक राज कुमार त्रिपाठी, पूर्व प्रधान शिव शंकर दीक्षित, सुभाष प्रधान, अनिल विश्वकर्मा, हरि शंकर मिश्रा, शिव कुमार पाठक, अतुल सिंह, हिमांशु सिंह, आनंद सिंह, जतिन ठाकुर, रितिक मौर्या, मिहिर सिन्हा, अनुराग शर्मा, निखिल त्रिपाठी, उत्कर्ष शर्मा, मीडिया प्रभारी आर के शुक्ला आदि उपस्थित रहे।

नैनी पुलिस व एसओजी टीम द्वारा एक अभियुक्त गिरफ्तार

कब्जे से 212 ग्राम अवैध अल्प्राजोलम पाउडर व परिवहन में प्रयुक्त दोपहिया वाहन स्कूटी बरामद

नैनी। नैनी थाने में अपराधियों के विरुद्ध चलाए गए अभियान के अंतर्गत प्रभारी निरीक्षक थाना नैनी बृज किशोर गौतम के कुशल नेतृत्व में रविवार को एसओजी प्रभारी उपनिरीक्षक नवीन कुमार सिंह यमुनानगर व थाना नैनी की संयुक्त पुलिस टीम द्वारा मुखबिर की सूचना पर सी०ओ०डी बाउन्ड्री के पास थाना क्षेत्र नैनी से 212 ग्राम अवैध अल्प्राजोलम पाउडर नजायज तथा परिवहन में प्रयुक्त दोपहिया वाहन स्कूटी के साथ अभियुक्त इम्तियाज खान उर्फ शीबू पुत्र एजाज खान निवासी अरैल मिरदही टोला थाना नैनी को गिरफ्तार किया गया। उक्त गिरफ्तारी व बरामदगी के आधार पर थाना स्थानीय पर विभिन्न धाराओं में पंजीकृत किया गया। नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की गई। पूछताछ पर अभियुक्त ने बताया कि में नशीला पाउडर बेच कर अपने व अपने परिवार का भरण-पोषण करता हूँ। मेरी पास से बरामद नशीला पाउण्डर अल्प्राजोलम है, जिसे में चोरी छिपे आने-जाने वाले राहगीरो को बेच रहा था कि आप लोगो को अपनी तरफ आता देख कर में डर गया, इसलिए में भागने की कोशिश किया, किन्तु आप लोगो द्वारा पकड लिया गया।

प्रयागराज विकास प्राधिकरण के अधिकारियों से मांग

नैनी। नैनी व्यापार मंडल के महामंत्री एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता घनश्याम जायसवाल ने एक बैठक के माध्यम से कहा कि महाकुंभ के दौरान ऐतिहासिक मेवालाल चौराहे पर गोल चौराहा बना। एवं संत मुनि का प्रतिमा स्थापित किया गया है। उसके बाद से प्रयागराज विकास प्राधिकरण ने प्रतिमा का ध्यान नहीं दिया। जिसके कारण उस प्रतिमा पर भीषण गंदगी हो गई है एवं रेलिंग भी टूट गई। एवं किसी भी प्रकार की लाइट की व्यवस्था नहीं है जिसके कारण बराबर अंधेरा होने के कारण कई बड़ी गाड़ियां आके भीड़ जाती है। प्रयागराज विकास प्राधिकरण से मांग है। तत्काल इसकी सुंदरीकरण किया जाए आने वाले माघ मेला को देखते हुए। मांग करने वालों में नैनी व्यापार मंडल के अध्यक्ष सुभाष चंद्र केसरवानी महामंत्री घनश्याम जायसवाल, पार्षद राकेश जयसवाल, पार्षद अनुप पासी, राजेश शर्मा, सोनू मिश्रा, राजू गुडविल, धनीराम मिश्रा, धर्मराज पटेल, बंटी पटेल, दीपक मिश्रा, राहुल पाल, पिंटू विश्वकर्मा, डॉ महेश, विनोद माली, रामधारी यादव, रमेश केसरवानी, चंद्रबली जाटव, राजकुमार सोनकर, नेबबु लाल केशरवानी तमाम लोग शामिल थे।

यूपी टी 20 के बाद 23 सीके नायडू में जबरदस्त शानदार प्रदर्शन से रणजी टीम में हुआ चयन

अखंड भारत संदेश

थरवई। देव स्पोर्ट्स क्रिकेट ग्राउंड प्रयागराज इस समय लगातार सुर्खियों मे बना हुआ है। इसका कारण यहां के होनहार प्रशिक्षु कार्तिक यादव पिछले दिनों उत्तर प्रदेश टी 20 लीग मैचों के बाद कार्तिक यादव का सिलेक्शन 23 सीके नायडू ट्रॉफी में हुआ। कार्तिक यादव 23 सीके नायडू ट्रॉफी के पहले मैच हिमाचल प्रदेश के विरुद्ध 10 विकेट झटके दूसरे मैच में कर्नाटक के विरुद्ध 8 विकेट तीसरे मैच में रेलवे के विरुद्ध 11 विकेट लेने में सफल रहे इस प्रकार कार्तिक यादव ने 23 सीके नायडू ट्रॉफी में कुल 29 विकेट लेने में कामयाब रहे इसी शानदार एवं जबरदस्त प्रदर्शन को देखते हुए आज एक बार फिर से रणजी-ट्राफी मे चयन होने से देव स्पोर्ट्स क्रिकेट ग्राउंड का मान बढ़ाया है। कार्तिक यादव के कोच रामचंद्र प्रजापति ने इस उपलब्धि पर कार्तिक यादव को शुभकामनायें प्रेषित करते हुए

कोच रामचन्द्र प्रजापति जी ने कहा कि कार्तिक यादव का जन्म भले ही गाजीपुर में हुआ लेकिन उनकी शिक्षा दीक्षा की शुरूआत प्रयागराज के शान्तिपुरम से ही हुई। उनके पिता सुरेश कुमार यादव जो सीआरपीएफ में कार्यरत है माता सरिता यादव, कार्तिक के बड़े भाई एमबीबीएस डॉक्टर गेंदबाजी लेफ्ट आर्म स्पिन बैटिंग लेफ्ट हैंड कार्तिक यादव की उपलब्धियां फतेहपुर हॉस्टल 2018 अडर-19 बिनू मांकड ट्रॉफी, 2022 23 और अंडर-19 कूच बिहार ट्रॉफी, 2022-23 सैयद मुश्ताक अली कप, 2023 एयर इंडिया, 2024 एफसीआई, 2025 नेट बॉलर इंडिया बनाम बांग्लादेश, टेस्ट मैच उत्तर प्रदेश प्रीमियम पहला वर्ष, 2023 कानपुर सुपरस्टार, 2024 नोएडा किंग, 2025 काशी रुद्राक्ष इस सीजन का सबसे अच्छा परफॉर्मेंस बेस्ट बॉलर इकोनामी अवार्ड बेस्ट कैच अवार्ड जैसे उपलब्धियों को देव स्पोर्ट्स क्रिकेट क्लब के खिलाड़ियों को बताते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। कार्तिक यादव के रणजी ट्रॉफी में सिलेक्शन होने से उनके प्रारंभिक कोच श्री रामचंद्र प्रजापति एवं देव स्पोर्ट्स क्रिकेट क्लब के खिलाड़ीयों में उत्साह की लहर है आगे प्रदर्शन इसी तरह से जारी रहे हम ईश्वर से प्रार्थना करते हैं की एक दिन भारतीय टीम का हिस्सा बने और अपने गांव शहर जिला मां बाप एवं गुरु का नाम रोशन करे।

त्याग, संघर्ष व अदम्य साहस का अद्वितीय प्रतीक भगवान बिरसा मुंडा का जीवन : सुरेन्द्र

जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाई गई भगवान बिरसा मुंडा की जंयती

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। सई नदी के तट पर स्थित सच्चा बाबा आश्रम पर रविवार को अखिल भारतीय वनवासी कल्याण आश्रम से सम्बद्ध सेवा समर्पण संस्थान के तत्वावधान में भगवान बिरसा मुंडा की जयंती किशोर पाण्डेय की अध्यक्षता में ह्यजनजातीय गौरव दिवसह्ल के रूप में मनाई गई। इस मौके पर बतौर मुख्य वक्ता मौजूद बनवासी कल्याण आश्रम के विभाग संगठन मंत्री सुरेंद्र ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा जी का जीवन त्याग, संघर्ष और अदम्य साहस का अद्वितीय प्रतीक है। उन्होंने स्वतंत्रता आंदोलन को नई दिशा देने के साथ-साथ आदिवासी समाज के गौरव, अधिकार और अस्तित्व की रक्षा के लिए अपना संपूर्ण जीवन समर्पित कर दिया। उनकी वीरता, उनके आदर्श तथा उनकी संस्कृति-संरक्षण की पवित्र भावना आज भी जनजातीय समाज की अस्मिता को सशक्त बनाती है।इस मौके पर सेवा समर्पण संस्थान के जिला अध्यक्ष शशिभाल त्रिपाठी ने बिरसा मुंडा जी के त्याग और समर्पण को बताते हुए संघ शताब्दी वर्ष के पावन अवसर पर चल रहे सातों कार्यक्रमों तथा पच परिवर्तन के विषय पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में मुख्य रूप से जिला उपाध्यक्ष रामेन्द्र श्रीवास्तव, जिला संपर्क प्रमुख रामचंद्र उमर वैश्य, श्याम मोहन, अंबुज सिंह, मनोज सिंह, राजेश जायसवाल, राजा जायसवाल, राजा सिंह, आनंद वनवासी, स्वामीनाथ, रोशन लाल, दुर्गेश कुमार उमर वैश्य, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के नगर कार्यवाह अंकित श्रीवास्तव, प्रियंक, अंकित श्रीवास्तव, दुर्गेश सिंह इत्यादि लोग शामिल रहे।

पंपिंगसेट पर सोने गये किसान की गला रेतकर हत्या

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। पंपिंगसेट पर सोने गये किसान की गला रेतकर हत्या कर दी गई। रात में खाना खाकर पत्नी पंपिंगसेट पर पहुंची तो वह लापता था। पत्नी उसकी खोज करने लगी। रविवार दोपहर उसका शव खेत से करीब 150 मीटर दूर खेत में मिला। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

नगर कोतवाली सीमा पर स्थित अंतू थानाक्षेत्र के घोरहा गांव निवासी शिवशंकर शुक्ल उर्फ मुन्नू (42) शादी समारोह में खाना बनाने के साथ ही किसानी करता था। वह गांव के बाहर पंपिंगसेट पर सोता था। शनिवार की रात करीब साढे सात बजे वह पत्नी रंजना को खाना खाने के लिए भेज दिया। उसके लौटने पर मुन्नू वहां मौजूद नहीं था। रंजना ने सोचा कही आसपास गये होंगे लेकिन जब देर रात वह नहीं लौटा तो रंजना उसकी तलाश करने लगी। सुबह गांव के लोग भी पहुंच गये। दोपहर में करीब 150 मीटर दूर खेत में उसका शव मिला। गला रेतकर उसकी हत्या की गई थी और उसका पूरा शव खून से लथपथ था। कुछ ही देर में गांव व आसपास के लोगों की भीड़ इकट्ठा हो गई। सूचना पर एसओ अंतू के साथ ही सीओ सिटी प्रसांत राज हुड्डा भी मौके पर पहुंच गये। परिजनों से पूछताछ के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया।

न्यूज झरोखा

अज्ञात ने युवक पर किया हमला, घायल

बेलखरनाथ धाम। घर के पास खड़े हुए युवक के ऊपर अज्ञात ने हमला कर दिया। जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गया।दिलीपपुर थाना क्षेत्र के रतनमई गांव निवासी राहुल (40) शनिवार देर रात अपने घर के पास खड़ा था।उसी दौरान पीछे आए अज्ञात युवक ने राहुल के सिर पर धारदार हथियार से हमला कर मौके से भाग निकला। आनन फानन में इलाज के लिए उसे जिला मेडिकल कॉलेज ले जाया गया।सूचना पर पहुंची पुलिस ने परिजनों से घटना के संबंध में जानकारी लेकर मेडिकल कॉलेज पहुंची।युवक के ऊपर हुए हमले का कारण कोई बता नहीं पा रहा है।मौके पर पहुंची पुलिस घायल युवक का मोबाइल सड़क के किनारे से बरामद किया।इस संबंध में थानाध्यक्ष दिलीपपुर अंकुर कैथवास ने बताया कि हमला का कारण कोई बता नहीं पा रहा है, तहरीर मिलने पर जांच कर कार्यवाही की जाएगी।

घर में घुसकर महिला के साथ अभद्रता, जान से मारने की धमकी

बेलखरनाथ धाम। घर में घुसकर महिलाओं के साथ आरोपितों ने गाली-गलौच व अभद्रता किया है।इस मामले में पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने दो लोगों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया है।दिलीपपुर थाना क्षेत्र के गनईडीह निवासी माता फेर पांडे की पत्नी अर्चना पांडे ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया है कि शुक्रवार सुबह 7 बजे पड़ोस गांव के दो लोग आएं और जबरदस्ती घर में घुसकर महिलाओं को गाली गलौज देते हुए अभद्र व्यवहार करने लगा तथा मारपीट करने के साथ जान से मारने की धमकी दी।आरोप है कि घर पर कोई पुरुष मौजूद नहीं था। आरोप है कि आए दिन यह लोग महिला से अश्लील हरकत के साथ गाली गलौज तथा घर पर ईट पत्थर फेंकते है।पीड़िता द्वारा आरोपित दोनों युवकों का वीडियो बनाकर पुलिस को दी है। इस मामले में पीड़िता की तहरीर पर दिलीपपुर पुलिस ने सरायगनई गांव के शिव प्रताप सिंह व अतीश के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।थानाध्यक्ष दिलीपपुर अंकुर कैथवास ने बताया कि महिला की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर आरोपी की तलाश में दबिश दी जा रही है।

शराब हुई बरामद , आरोपी के खिलाफ केस

लालगंज। कोतवाली पुलिस ने रविवार की सुबह गश्त के दौरान पांच लीटर अवैध शराब बरामद किया। कोतवाली लालगंज के दरोगा भुवाल सिंह यादव फोर्स के साथ गश्त पर निकले थे। पूरे फत्ते गांव के लोनी नदी के समीप संदिग्ध पुलिस को देखकर भागने लगा।पुलिस ने उसे पीछा कर दबोच लिया। पकड़ गये आरोपी वंशी लाल सरोज के पास से पुलिस ने पिपिया में पांच लीटर अवैध देशी शराब बरामद किया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आबकारी अधिनियम केस दर्ज किया है। आरोपी को पुलिस ने जेल भेज दिया।

सरकारी जमीन पर अतिक्रमण को लेकर एसडीएम से की गयी शिकायत

प्रतापगढ़। सरकारी जमीन पर अतिक्रमण को लेकर ग्रामीणों ने एसडीएम को शिकायती पत्र दिया है। लालगंज विकास खण्ड के रंगौली के ग्रामीणों ने एसडीएम को दिये गये शिकायती पत्र में कहा है कि बीते शुक्रवार की रात दबंगो ने सार्वजनिक रास्ते के लिए अवांटित सरकारी जमीन पर अवैध निर्माण कर लिया। शिकायती पत्र में कहा गया है कि दबंगों के साथ दूसरे गांव के भी लोग अतिक्रमण की कार्यवाई में शमिल है। ग्राम प्रधान दिनेश बहादुर सिंह , मनोज कुमार, श्यामलाल वर्मा, संतराम वर्मा, रमाशंकर सिंह आदि ने एसडीएम से सरकारी जमीन पर अवैध अतिक्रमण पर कार्यवाई की मांग की है। एसडीएम शैलेन्द्र वर्मा ने राजस्व एवं पुलिस टीम का गठन कर अतिक्रमण को हटवाये जाने के कड़ें निर्देश दिये है।

महिला को देवर ने पीटा, दी तहरीर

पट्टी। इलाके के बीरापुर खुर्द निवासी प्रभावती पत्नी विनोद विश्वकर्मा ने पुलिस को तहरीर देकर आरोप लगाया कि जमीनी विवाद को लेकर उसके देवर और देवरानी में पिटाई की है। पीड़िता ने गाली गलौज व धमकी देने का भी आरोप लगाते हुए पुलिस को नामजद तहरीर देकर कार्यवाही की गुहार लगाई है।

19 को होगा किसान दिवस कार्यक्रम का आयोजन

प्रतापगढ़। उप कृषि निदेशक विनोद कुमार यादव ने बताया है कि दिनांक 19 नवम्बर 2025 को किसान दिवस कार्यक्रम का आयोजन विकास भवन सभागार में दोपहर 12 बजे जिलाधिकारी की अध्यक्षता में किया जायेगा। किसान दिवस कार्यक्रम में किसानों की समस्याओं के निराकरण किया जायेगा। किसान दिवस कार्यक्रम में कृषक अधिक से अधिक प्रतिभाग करें।

रेलवे ट्रैक के समीप मिला युवक का शव

प्रतापगढ़। दोस्त की बारात में गए युवक को उसके एक अन्य दोस्त ने पिटाई करने के दौरान ट्रेन के आगे फेंक दिया। ट्रेन की चपेट में आने से उसकी मौत हो गई। पुलिस साथ काम करने वाले युवक और उसके दोस्त को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। रानीगंज थानाक्षेत्र के रघवापुर गांव निवासी चंद्रप्रकाश मिश्र उर्फ गोलू गुजरात में प्राइवेट कंपनी में काम करता था। 15 दिन पहले वह घर आया और कैटरर्स का काम करने लगा। नगर कोतवाली क्षेत्र के एक साथी की शनिवार की रात देल्हूपुर थानाक्षेत्र के भावलपुर गांव में बारात आई थी। गोलू देहात कोतवाली क्षेत्र के पूरे आचार्य निवासी एक अन्य साथी के साथ बारात में गया था। रात में शादी के दौरान दोनों वहां मौजूद थे। रविवार की सुबह भावलपुर गांव के समीप गुजरी रेललाइन पर गोलू का शव पाया गया। कुछ ही देर में वहां ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। सूचना पर पहुंची मृतका की मां हत्या का आरोप लगाने लगी। बताया कि साथ काम करने वाला देहात कोतवाली के सराय सागर पूरे आचार्य गांव निवासी साथी ने उसे शनिवार शाम दोस्त की शादी में चलने के लिए फोन से बुलाया था। रात करीब नौ बजे गोलू की मां से बात भी हुई थी। उसने मां से सुबह घर आने के लिए बोला था। गोलू का मोबाइल दो टुकड़ो में बरामद हुआ। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

वैदिक मंत्रो व शंख ध्वनि के बीच शुरू हुआ पटट्री दशहरे का मेला

- पूर्व मंत्री मोती सिंह के साथ प्रशासनिक अधिकारी रहे मौजूद
- ऐसे आयोजन धार्मिक और सामाजिक एकता को बढ़ावा देते हैं : मोती सिंह

अखंड भारत संदेश

पट्टी। तहसील मुख्यालय पर लगने वाले तीन दिवसीय ऐतिहासिक दशहरा मेला का वैदिक मंत्रोच्चार एवं शंख ध्वनि के बीच पूर्व मंत्री राजेंद्र प्रताप सिंह मोती सिंह के साथ एसडीएम पूर्णेंदु मिश्र, सीओ मनोज कुमार सिंह रघुवंशी ने संयुक्त रूप से फीता काटकर उद्घाटन किया।

पूर्व मंत्री ने कहा कि पट्टी का ऐतिहासिक दशहरा मेला इस वर्ष अपना 116 वां उत्सव मना रहा है। इससे नगर निवासियों के साथ क्षेत्र के लोगों में उल्लास है। इस तरह के आयोजन से समाज में धार्मिक और सामाजिक एकता को बढ़ावा मिलता है। एसडीएम पूर्णेंदु मिश्र ने कहा कि मेला समाज के लोगों के समागम का एक बेहतर माध्यम है। इस आयोजन के माध्यम से लोग अपनी सांस्कृतिक विरासत को पहचानते हैं। सीओ मनोज सिंह रघुवंशी ने मेला के सफल आयोजन के लिए बेहतर सुरक्षा व्यवस्था का भरोसा दिया।इसके पूर्व समिति के अध्यक्ष जुग्गी लाल जायसवाल, प्रबंधक सुरेश कुमार जायसवाल, उपाध्यक्ष रामचंद्र जायसवाल, राम प्रकाश जायसवाल, उपाध्यक्ष अवधेश सिंह सहित कमेटी के अन्य पदाधिकारी व सदस्यों ने माल्यार्पण कर स्वागत किया। पूजन कार्यक्रम कमेटी के पुरोहित पंडित श्याम शंकर दुबे ने संपन्न कराया। संचालन कमेटी के सह प्रबंधक रामचरित्र वर्मा ने किया।इस मौके पर नगर पंचायत अध्यक्ष अशोक कुमार जायसवाल, तहसीलदार पवन कुमार सिंह, राम प्रकाश जायसवाल, बुदुल सिंह, रामचंद्र जायसवाल, अखिलेश जायसवाल, अवधेश सिंह सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

आलोचना का लक्ष्य सदैव सुधारात्मक परामर्शी होना चाहिए : एसडीएम

भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ द्वारा समारोह पूर्वक मनाया गया राष्ट्रीय प्रेस दिवस

लालगंज। स्थानीय तहसील परिसर स्थित पत्रकार भवन में रविवार को राष्ट्रीय प्रेस दिवस का समारोह पूर्वक आयोजन किया गया। भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ द्वारा आयोजित कार्यक्रम में लेखन व पत्रकारिता के क्षेत्र में सम्मान का भी आयोजन हुआ। कार्यक्रम का शुभारम्भ उपजिलाधिकारी शैलेन्द्र वर्मा ने मॉ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर किया। महासंघ के पत्रकार उत्पीड़न निवारण प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय प्रभारी ज्ञान प्रकाश शुक्ल ने सामाजिक एवं राष्ट्रीय सरोकार को मजबूत बनाये रखने के लिए स्वस्थ लेखन पर जोर दिया। मुख्य अतिथि एसडीएम शैलेन्द्र वर्मा ने कहा कि जनकल्याणकारी सोच के साथ आलोचना का पहलू सदैव सुधारात्मक परामर्श पर केन्द्रित होना चाहिए। उन्होने कहा कि मीडिया अभिव्यक्ति की स्वंतत्रता की मुख्य भूमिका के साथ देश व समाज का सम्बल है। विशिष्ट अतिथि संयुक्त अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष अनिल त्रिपाठी महेश ने भी पत्रकारिता के योगदान का बखान किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महासंघ के तहसील इकाई अध्यक्ष विकास मिश्र वं संचालन महामंत्री साकेत मिश्र ने किया। कार्यक्रम में एसडीएम शैलेन्द्र वर्मा तथा संयुक्त अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष अनिल त्रिपाठी महेश ने वरिष्ठ पत्रकार विकास मिश्र , शैलेन्द्र मिश्र, साकेत मिश्र, संदीप मिश्र राहुल, मुकेश सिंह, लवलेश शुक्ल, मुकेश तिवारी, अमन सिंह को राष्ट्रीय प्रेस दिवस पर पत्रकारिता सम्मान के तहत अंगवस्त्रम् तथा सम्मान पत्र प्रदान किया। वही सामाजिक न्याय व समरसता के लिए एसडीएम शैलेन्द्र तथा संयुक्त अधिवक्ता संघ अध्यक्ष अनिल महेश ने रामचन्द्र त्रिपाठी, सुनील सिंह मोनू, अधिवक्ता मोनू पाण्डेय, समाजसेवी दिनेश सिंह को भी माल्यार्पण तथा प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। इस मौके पर अधिवक्ता धीरेन्द्र मिश्र, हरिश्चन्द्र पाण्डेय, नितिन मिश्र, प्रवीण शुक्ला आदि रहे।

पति समेत तीन पर दर्ज कराई दहेज उत्पीड़न की रिपोर्ट

पट्टी। इलाके के रामपुर बेला निवासी शिवानी चौरसिया में अपने पति हिमांशु, देवर दीपांशु व सास रजनी के विरुद्ध दहेज उत्पीड़न का मुकदमा दर्ज कराया है। आरोपी अलवर राजस्थान के निवासी हैं। पीड़िता ने कोतवाली पुलिस को दी गई तहरीर में बताया है कि वर्ष 2022 में उसका विवाह हिमांशु खंडेलवाल निवासी अलवर राजस्थान के साथ संपन्न हुआ। ससुराल जाने के बाद ही पति हिमांशु सास रजनी व देवर दीपांशु दहेज में बुलेट बाइक को व दो लाख रुपए की मांग को लेकर प्रताड़ित करते रहे। इस दौरान उसे एक बेटी निशिता हुई। जिसकी उम्र लगभग डेढ़ वर्ष है। बीते 17 फरवरी 2025 को ससुराली जनों ने उसके जेवरात छीनकर मारपीट कर उसे घर से निकाल दिया। वह अपने मायके आ गई। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने सभी आरोपियों के विरुद्ध दहेज उत्पीड़न समेत विभिन्न धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की है।

अनियंत्रित स्कॉर्पियो नहर में घुसी, तीन घायल

अखंड भारत संदेश

पट्टी। पट्टी चांदा मार्ग पर नारंगपुर के समीप अनियंत्रित स्कॉर्पियो नहर में घुस गई। इस दुर्घटना में तीन लोग घायल हुए हैं। इलाके के जाल्हेपुर निवासी शोभनाथ की बरात में शामिल होने पहुंचे बराती सुबह स्कॉर्पियो लेकर नारंगपुर बाजार चाय नाश्ते के लिए निकले। औराईन गांव के पंचायत भवन के सामने पहुंचते ही तेज रफ्तार के कारण स्कॉर्पियो पर चालक पंकज निवासी पूर्व रजवार थाना बदलापुर ने नियंत्रण खो दिया। स्कॉर्पियो रामपुर माइनर में जाकर पलट गई। स्कॉर्पियो में सवार तुलसीराम व जगदीश कुमार के साथ चालक पंकज को गंभीर चोटें आई हैं।स्थानीय लोगों ने स्कॉर्पियो में फंसे बराती व चालक को बाहर निकाल कर इलाज के लिए अस्पताल भेजवाया।

भगवान शिव के महामंत्र जाप में है सृष्टि का कल्याण : आचार्य संतोष

प्रतापगढ़। बाबा घुइसरनाथ धाम के समीप पूरे दूधी रामगंज स्थित सुखसागर धाम में हो रही श्रीशिवमहापुराण कथा में रविवार भगवान शंकर की मनोहरी कथा को सुनकर श्रद्वालु शिव भक्ति के परमानन्द में दिखे। कथाव्यास प्रयागराज के आचार्य संतोष जी महराज ने कहा कि भगवान शंकर के महामंत्र के जाप में सदैव सृष्टि का कल्याण है। उन्होने कहा कि भगवान शिव ने संसार में ईर्श्या, द्वेश, भेदभाव , अनीत के विष का हरण किया। उन्होने कहा कि भगवान शंकर की स्तुति करने वाले प्राणी का प्राण संकट भी दूर हो जाया करता है। कथा व्यास आचार्य संतोष जी ने कहा कि शिव ही जगत के पालन हार है। उन्होने कहा कि शिव की आराधना सिर्फ उसी को फलीभूत हुआ करती है जो राग द्वेश से मुक्त हुआ करता है। उन्होने कहा कि भक्ति की साधना सदैव पवित्र हुआ करती है। उन्होने कहा कि भगवान भय का हरण किया करते है। उन्होने बताया कि महादेव के मंत्र का जाप मनुष्य को सभी झंझावातों से छुटकारा दिलाया करता है। कथा के संयोजक देव नारायण मिश्र, श्याम नारायण मिश्र तथा अधिवक्ता मोनू पाण्डेय ने व्यासपीठ का पूजन अर्चन किया। सुषमा मिश्रा ने श्रद्धालुओं के प्रति आभार जताया। सह संयोजक गिरिजाशंकर मिश्र व शिवशंकर मिश्र ने प्रसाद वितरण में सहयोग किया। इस मौके पर के के शुक्ला, शीलम पाण्डेय, नीरज मिश्रा,रोहित पाण्डेय, धीरज मिश्रा, डॉ0 रामराज तिवारी, आचार्य राजेश मिश्र, गुडड् पाण्डेय, ममता, आंचल, ज्योति पं0 कैलाशपति मिश्र, सुभाष पाण्डेय, सतीशचंद्र शुक्ला, श्रीप्रकाश मिश्र, विवेक शुक्ला, छेदीलाल शुक्ल, आदि रहे।

चार वांछित धराये, गये जेल

लालगंज। कोतवाली पुलिस ने मारपीट व गाली गलौज तथा धमकी को लेकर चार वांछितों को दबोच कर जेल भेज दिया। कोतवाली के दरोगा ज्ञानचन्द्र तिवारी रविवार की सुबह फोर्स के साथ गश्त पर निकले थे। मिश्राईनपुर गोविंदपुर गांव में मारपीट व गाली गलौज तथा धमकी के दर्ज मुकदमें में कोर्ट के तीन वांछितों को फोर्स ने घर के समीप से धर दबोचा। पकड़ें गये वंछित गांव के कृष्ण कुमार पुत्र मेवालाल, जीतलाल पुत्र मिठ्ठू, प्रवेश पुत्र जीतलाल को पुलिस हिरासत में लेकर कोतवाली आई। इधर रानीगंज कैथौला चैकी इंचार्ज विवेक यादव ने रविवार की ही सुबह गश्त के दौरान मारपीट के मुकदमें में वांछित जेवई निवासी वांछित रामभुवन पुत्र बुधई को धर दबोचा। प्रभारी निरीक्षक आलोक कुमार ने बताया कि पकड़ें गये वांछितों को जेल भेज दिया गया है।

धूमधाम से निकली भगवान राम की भव्य शोभायात्रा

अखंड भारत संदेश

पट्टी। तीन दिवसीय दशहरा मेले के प्रथम दिन भगवान राम की शोभायात्रा गाजे-बाजे के साथ भक्ति संगीत की धूनों के बीच हर्षोल्लास के साथ पट्टी नगर में निकाली गई। भगवान राम की सेना जब रावण का वध करने चली तो लोग खुशी से झूम उठे और रास्ते में पुष्प वर्षा कर इसका स्वागत किया। इसके पूर्व शोभा यात्रा चमन चैराहे से प्रारंभ की गई। जहां पर श्री रामलीला समिति के अध्यक्ष जुग्गी लाल जायसवाल सहित अन्य ने भगवान राम सहित अन्य की आरती उतार कर शोभा यात्रा को रवाना किया। शोभा यात्रा रायपुर रोड से चैक होते हुए ढकवा मोड़ चैराहा पेट्रोल पंप से होकर पुनः वापस बाईपास होते हुए हनुमान मंदिर पहुंची। वहां पर हनुमान मंदिर में दर्शन पूजन के उपरांत शोभायात्रा मुख्य मार्ग से होती हुई चैक होकर मेला मैदान में पहुंची। शोभायात्रा के नगर भ्रमण के दौरान राम चरित्र वर्मा, रजनी वर्मा, रमेश चंद्र जायसवाल, नगर पंचायत अध्यक्ष अशोक कुमार जायसवाल, नंदलाल जायसवाल सहित अन्य नगर निवासियों ने पुष्प वर्षा की और भगवान श्रीराम व माता जानकी की आरती उतारकर जय श्री राम के नारों का उद्घोष किया। शाम को मेला मैदान में भगवान राम व रावण के बीच युद्ध हुआ। इस दौरान पूरे मेला क्षेत्र में हर्ष और उल्लास का नजारा दिखाई दिया। इस पल को निहारने के लिए बड़ी संख्या में क्षेत्र के लोग मेला मैदान में मौजूद रहे। भक्ति संगीत के बीच आरती की धुन में लोगों का मन मोह लिया।इस मौके पर सह प्रबंधक रमेश सोनी, प्रमोद खंडेलवाल, अनिल खंडेलवाल, आशीष तिवारी, घनश्याम घायल, पंकज खंडेलवाल, राजकुमार मोदनवाल, चंद्रकेश सिंह, बुदुल सिंह, लाल सिंह, मृत्युंजय सिंह सहित अन्य पदाधिकारी व सदस्य मौजूद रहे।

ढाई करोड़ की ठगी का हुआ पदार्फाश मध्य प्रदेश के तीन शातिर ठग गिरफ्तार

अखंड भारत संदेश

शेयर मार्केट एप के माध्यम से इन्वेस्ट के नाम पर ठगी करने वाले इंटरनेशनल गैंग का पर्दाफाश

कौशाम्बी। जिले के एक व्यापारी से शेयर मार्केट एप के माध्यम से इन्वेस्ट के नाम पर 61 लाख रुपए की ठगी करने वाले इंटरनेशनल गैंग का कौशाम्बी जिले की साइबर क्राइम थाना और सायबर सेल पुलिस टीम ने पदार्फाश किया है,पुलिस टीम ने मध्य प्रदेश के भोपाल से तीन शातिर ठगो रणदीप मड़ावी जिला नीलबढ़ भोपाल मध्य प्रदेश,धीरज मालवीय जिला रातीबढ़ भोपाल मध्य प्रदेश,शुभम पटेल पिपलानी भोपाल को गिरफ्तार किया है,यह शातिर ठग कई फर्जी एकाउंट खोलकर उसमें लोगो से शेयर मार्केट में रुपया इन्वेस्ट करने के नाम पर रुपया लेते थे और उनके एप पर रुपए तो दिखते थे लेकिन वह उसे निकाल नहीं सकते थे।पुलिस टीम ने तीन शातिर ठगो को गिरफ्तार कर लिया और कौशाम्बी जिले के व्यापारी का बीस लाख रुपया फ्रिज कर दिया है।एसपी राजेश कुमार ने प्रेस वार्ता कर मामले का खुलासा किया है और पुलिस टीम को 15 हजार रुपए की प्रोत्साहन राशि पुरस्कार में दी है।

एसपी राजेश कुमार ने बताया कि कड़ा धाम कोतवाली क्षेत्र के रामदत्त त्रिपाठी द्वारा पुलिस और ठउपद्ध पोर्टल पर दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर जिले की साइबर क्राइम थाना पुलिस और साइबर सेल ने संयुक्त रूप से मामले का खुलासा किया है और पुलिस टीम ने आवेदक का बीस लाख रुपया फ्रिज कर दिया है,जोकि जल्द ही उनको मिल जाएगा।एसपी ने बताया कि पुलिस टीम ने मध्य प्रदेश के रणदीप मड़ावी जिला नीलबढ़ भोपाल मध्य प्रदेश, धीरज मालवीय जिला रातीबढ़ भोपाल मध्य प्रदेश,शुभम पटेल पिपलानी भोपाल को गिरफ्तार किया है,पुलिस टीम ने आरोपियों के पास से तीन मोबाइल,एक एप्पल का फोन,आया के लैपटॉप,एक कंप्यूटर,एक प्रिंटर,तीन क्यू आर कोड,8 चेकबुक,16 ATM, 11 आधार,11 पैनकार्ड, 3 टूरिस्ट बीजा,बीस लाख की धनराशि होल्ड की गई।एसपी ने बताया कि ठउपद्ध पोर्टल पर कौशाम्बी जिले सहित अरुणाचल प्रदेश महाराष्ट्र कर्नाटका हरियाणा, दिल्ली, पंजाब में ठगी के कई मामले दर्ज है,उन शातिरों पर अन्य प्रदेश में भी मामले दर्ज है जिनकी जांच कराई जा रही है।

जिले के विभिन्न स्थानों पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने चलाया प्लास्टिक मुक्त अभियान

कौशांबी। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद कौशांबी जिला द्वारा एस एफ डी (स्टूडेंट फॉर डेवलपमेंट) के अंतर्गत जिले के विभिन्न स्थानों पर आज दिनांक 16 नवंबर रविवार को संडे फॉर सोसाइटी के अंतर्गत प्लास्टिक मुक्त अभियान चलाकर स्वच्छता का संदेश दिया गया। इस क्रम में संडे फॉर सोसाइटी के अंतर्गत दारानगर के कार्यकताओं ने कड़ा धाम मां गंगा के तट पर कुबरी घाट पर स्वच्छता अभियान चलाया एवं घाट पर बिखरे फूल, माला एवं पॉलीथिन इकट्ठा किया।वही मंझनपुर नगर के कार्यकताओं ने संडे फॉर मंझनपुर के अंतर्गत मंझनपुर तालाब पार्क में स्वछता अभियान चलाकर स्वच्छता का संदेश दिया। और नगर वासियों को सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग न करने का संदेश दिया। वही चायल नगर के कार्यकताओं ने संडे फॉर सोसाइटी के अंतर्गत चायल तहसील परिसर में प्लास्टिक मुक्त अभियान चलाकर समाज में प्लास्टिक मुक्त का संदेश दिया इस दौरान दारानगर के कार्यक्रम में नगर मंत्री विराट भट्ट, तहसील सहसंयोजक पवन भट्ट, सह मंत्री गौरव ,समाजसेवी विनय पांडेय ,मीडिया संयोजक दीपांशु, आशुतोष विश्वकर्मा ,अनमोल सिंह, अमन गुप्ता उपस्थित रहे।मंझनपुर नगर के कार्यक्रम में तहसील संयोजक सुशील सोनकर,नगर मंत्री दीपक राजपूत, नगर सह मंत्री कृष्णा ,अनिरुद्ध गौतम ,आर्यन ठाकुर, विराग वर्मा, उमाशंकर ,विष्णु सेन ,अरुण, विनय प्रीतम उपस्थित रहे। वही चायल तहसील के तिल्हापुर नगर के कार्यक्रम में नेवादा ब्लाक परिसर में प्लास्टिक मुक्त अभियान चलाकर स्वच्छता का संदेश दिया ।कार्यक्रम में तहसील संयोजक प्रशांत मणि पांडेय नगर मंत्री शौर्य पाण्डेय ,सूरज सिंह, युवराज ,शांतनु शुक्ला वैभव साहू निखिल सिंह, सुशांत दिवाकर आदि कार्यकताओं ने सहभाग किया । उधर पश्चिम शरीरा नगर इकाई के कार्यकताओं ने झारखण्डी माता मंदिर परिसर में झाड़ू लगाकर सफाई किया । उस दौरान नगर मंत्री हर्षित जायसवाल, नगर सह मंत्री अभिषेक त्रिपाठी मौजूद रहे ।जिला संगठन मंत्री जिला संयोजक शिवांशु शुक्ला ने कहा यह अभियान आने वाले समय में जनान्दोलन का स्वरूप लेगा विद्यार्थी परिषदका मुख्य उद्देश्य सामाजिक और शैक्षिक भ्रष्टाचार में सुधार कर के सशक्त छात्र शक्ति के रूप में विद्यार्थीयों को समाज और देश हित के लिए प्रस्तुत करना है।

आवारा पशु सांड ने वृद्ध किसान को पटका इलाज के दौरान हुई मौत

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी में आवारा पशुओं का चारों तरफ आतंक

कौशाम्बी। मंझनपुर कोतवाली क्षेत्र के जुवरा गांव निवासी चंद्रशेखर पांडे उम्र लगभग 83 वर्ष पुत्र स्वर्गीय राजाराम पांडे अपने दरवाजे पर बैठे थे तभी एक आवारा पशु सांड आया और चंद्रशेखर पांडे को उठाकर पटक दिया।इस घटना में चंद्रशेखर पांडे का सिर फैट गया,उन्हें गंभीर चोट आई आनन फानन में घर वाले उन्हें अस्पताल ले गए जहां पर इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई,उनकी मौत से परिजनों में कोहराम मचा गया।घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। जिले में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सख्त आदेश एवं शासन के सख्त निर्देश के बावजूद जिले भर में आवारा पशुओं का आतंक बदस्तूर जारी है,जिसके चलते यह आवारा पशु सड़कों पर दिन रात टहलते हुए दिखाई पड़ते है,जिससे आए दिन दुर्घटनाएं होती रहती है और इंसान मौत के गाल में समा जाता है।

11 किलो गांजा के साथ पिता-पुत्र गिरफ्तार

सैनी कोतवाली पुलिस व एसओजी टीम ने 3 लाख कीमत का गांजा किया बरामद

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। सैनी कोतवाली पुलिस व एसओजी टीम ने बोलेरो गाड़ी से तस्करी कर ले जा रहे 11 किलो गांजा के साथ पिता पुत्र को गिरफ्तार किया है आरोपी बाप बेटे से लगभग 3 लाख कीमत का गांजा बरामद हुआ पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ लिखापढ़ी कर न्यायलय में पेश किया जहा से उन्हे जेल भेज दिया गया। हालांकि पुलिस मुख्य अभियुक्त तक नहीं पहुंच पाई है। जानकारी के मुताबिक सैनी कोतवाली क्षेत्र के बार्डर पर सैनी कोतवाली पुलिस व एसओजी की संयुक्त टीम ने सैनी कोतवाली के ससुर खदेरी नदी के पुल पर सफेद बोलेरो नियो (वढ70 ल्ड6044) गाड़ी से ले जा रहे लगभग तीन लाख कीमत के लगभग 11 किलो अवैध गांजा के साथ फतेहपुर जनपद के पिता लवलेश और पुत्र प्रतीक को गिरफ्तार किया है।पुलिस टीम ने गांजा तस्करो के कब्जे से 11 किलो 558 ग्राम गांजा (अनुमानित कीमत 03 लाख रू0), 01 बोलेरो नियो (UP70 HK6044) गाड़ी बरामद किया है।पकड़े गए गांजा तस्कर बाप बेटे से पुलिस टीम के बरामद अवैध गाँजा के बारे में पूछने पर बताया कि यह गाँजा हमें छत्तीसगढ़ का रहने वाला एक व्यक्ति लखनऊ प्रयागराज हाईवे पर दे गया था, उस व्यक्ति को हम नहीं जानते है। और वह व्यक्ति हमें अपना मोबाइल नम्बर नहीं दिया है,इस गाँजे को लेकर हम अपने घर जाते और वहाँ अपने खेत पर काम करने वाले मजूदरों को पीने के लिये दे देते है।पुलिस ने लिखापढ़ी कर आरोपियों को न्यायालय पेश किया जहा से उन्हे जेल भेज दिया गया।

फार्मर रजिस्ट्री के कार्य में लापरवाही पर, 55 और जनसेवा केन्द्रों की आईडी निरस्त

अब तक कुल 70 जनसेवा केन्द्रों की आई.डी. की गई निरस्त

कौशांबी। भारत सरकार द्वारा सचालित फार्मर रजिस्ट्री योजनान्तर्गत एग्री स्टैक पोर्टल पर जनपद के समस्त कृषको के रजिस्ट्रेशन का कार्य जनसेवा केन्द्र (सी.एस.सी.) के माध्यम से किया जाना है। जनपद में कृषको के रजिस्ट्रेशन की प्रगति बहुत ही खराब है, जिसके लिए जिलाधिकारी के निदेर्शानुसार समस्त ग्राम पंचायतों में स्थापित समस्त जनसेवा केन्द्र से कृषकों का फार्मर रजिस्ट्रेशन का कार्य अभियान चलाकर कराया जा रहा है। इस अभियान में सभी जन सेवा केन्द्र संचालकों द्वारा आवश्यक सहयोग करते हुए अधिक से अधिक कृषकों का रजिस्ट्रेशन किया जाना है, जिसमें पाया गया है कि निरन्तर दिए गए निदेर्शों के बावजूद जन सेवा केन्द्र संचालक-गजेंद्र सिंह, अनिल कुमार,अजय सिंह नियाज उल्ला ,कक्कू सिंह, हरिकेश सिंह, नरेंद्र कुमार,विद्या शंकर साहू,नागेन्द्र कुमार पंकज सिंह,आयुष कुमार, विनोद कुमार साहू नागेन्द्र सिंह, वीरेंद्र कुमार, शिव लाल पाल रामानुज गौतम, प्रमेश गुप्ता इरम फातिमा, मोहम्मद फैजल, कमलेश कुमार सोनी, रितिक कुमार, चंदन सिंह, मुकेश कुमार मौर्य, अमित सिंह,राकेश कुमार मिश्र,यशपाल, इरफान, पवन कुमार, वाजिद अली, राकेश सिंह, लोकनाथ जयनारायण, तनवीर,मथुरा प्रसाद,अनिल कुमार, मोहम्मद शरीक, रंजीत सिंह तौसीफ अहमद, प्रीति सिंह, जुरेर अहमद, रीता देवी,राजेंद्र प्रसाद , संजय चौरसिया, मोहम्मद अली जियालाल रोहित कुमार राणा प्रताप सिंह गुफरान सिद्दीकी जीशान अली मोहम्मद शाहिद रोहित अमन यादव अंबुज कुमार, सुभाष कुमार एवं महेंद्र कुमार दिवाकर द्वारा अपने ग्राम पंचायतों से सम्बन्धित कृषको का पंजीकरण कार्य में लापरवाही बरती जा रहीं है, जिसके कारण जनपद की प्रगति में वृद्धि नहीं हो पा रहीं हैं। इन सभी जनसेवा केन्द्र संचालकों की जनसेवा केन्द्र आई.डी. तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दी गई हैं।बतादें कि फार्मर रजिस्ट्री के कार्य में लापरवाही पर कल दिनांक 15 नवंबर,2025 को भी 15 जनसेवा केन्द्र संचालकों की जनसेवा केन्द्र आई.डी. तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दी गई थी।

धूमधाम से मनाई गई वीरांगना ऊदा देवी की पुण्यतिथि

अखंड भारत संदेश

पूर्व सांसद शैलेंद्र कुमार ने कहा कि वीरांगना ऊदा देवी की वीरता के चलते तमाम अंग्रेज सैनिक युद्ध में मारे गए

कौशांबी। जनपद मुख्यालय मंझनपुर में वीरांगना ऊदा देवी की पुण्यतिथि बड़े ही धूमधाम से मनाई गई है वीरांगना ऊदा देवी की पुण्यतिथि के अवसर पर जनपद मुख्यालय मंझनपुर के डायट मैदान में रविवार को एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व सांसद जनसत्ता दल पार्टी के राष्ट्रीय प्रधान महासचिव शैलेंद्र कुमार ने ऊदा देवी की वीरता पर चर्चा कर लोगों के अंदर जोश भरने का काम किया है उन्होंने कहा कि देश की आजादी में अंग्रेजों से लड़ाई लड़ते वक्त ऊदादेवी के पति वीरगति को प्राप्त हुए थे जिस पर ऊदा देवी ने अपने पति की मौत का बदला अंग्रेजों से लेने का संकल्प लिया और उदा देवी ने सिर में कपड़ा बांधकर अंग्रेज सैनिकों से युद्ध किया वीरांगना ऊदा देवी की वीरता के चलते तमाम अंग्रेज सैनिक इस युद्ध में मारे गए अंग्रेजों से लड़ाई लड़ते वक्त उदा देवी भी शहीद हो गई है 1857 के स्वतंत्र समर का केंद्र बिंदु उत्तर प्रदेश था.ऊदा देवी सभी के लिए प्रेरणा रही 16 नवंबर 1857 को पीपल के पेड़ पर चढ़कर 36 अंग्रेजों को ढेर करने का काम किया था. भारत की स्वाधीनता को प्राप्त करने के लिए ऐसे वीरों का योगदान अविस्मरणीय है वह अवध के अंतिम नवाब वाजिद अली शाह की महिला बटालियन की सदस्य थीं। अखिल भारतीय युवा संगठन के नेतृत्व में कार्यक्रम का आयोजन किया गया है कार्यक्रम में उपस्थित लोगों द्वारा उदा देवी सहित वीर सेनानियों के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया गया और उदा देवी की वीरता की चर्चा की गई वक्ताओं ने कहा कि ऊदादेवी ने सिर में कपड़ा बांधकर अंग्रेज सैनिकों से बदला लेने का संकल्प लिया और अंग्रेजों को मार गिराया उनकी वीरता को नमन किया जाता है इस मौके पर धनंजय पासी शैलेंद्र पासी जितेंद्र पासी वीरेंद्र पासी फौजी रजनीश पासी संजय पासी घनश्याम पासी बच्चा पासी सहित भारी संख्या में महिला पुरुष कार्यक्रम स्थल में मौजूद रहे।

सड़क दुर्घटना में घायल बालिका ने इलाज के दौरान तोड़ा दम

कौशांबी। महेवा घाट थाना क्षेत्र के मुबारक पुर शाहपुर गांव निवासिनी रागनी देवी उम्र 8 वर्ष दिनांक 6.11.2025 को बकरियां लेकर चराने जा रही थी तब बैरागीपुर की तरफ से पश्चिम शरीरा की तरफ जा रही डी.सी.एम. छः चक्का वढ62 ऋछ 2216 लाल कलर की गाड़ी का ड्राइवर ने लापरवाही पूर्वक गाड़ी चलाते हुए लड़की के ऊपर डीसीएम चढ़ा कर तीव्र गति से चला गया है । लड़की की हालत देखकर एम्बुलेन्स के सहयोग से जिला अस्पताल मंझनपुर में इलाज के लिये ले गए जहां डाक्टरों ने अस्पताल से पी.आइ.जी. में लखनऊ के लिए रेफर कर दिया। पीजीआई में इलाज के दौरान बालिका ने शनिवार के दिन दम तोड दिया। परिजनों ने सूचना पुलिस को दी सूचना पाकर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया।रोते बिलखते हुए परिजन रविवार के दिन बालिका के शव को लेकर अपने पैतृक गांव मुबारक पुर गांव आए और सूचना महेवा घाट पुलिस को दी। सूचना पाकर महेवा घाट पुलिस मौके पर पहुंचकर बालिका के शव का अंतिम संस्कार कराया। खबर लिखे जाने तक आरोपी ट्रक चालक को पुलिस गिरफ्तार नहीं कर सकी है।

सराय अकिल थाना का सीओ ने किया त्रैमासिक निरीक्षण

कौशांबी। क्षेत्राधिकारी चायल अभिषेक सिंह द्वारा रविवार को थाना सराय अकिल का त्रैमासिक निरीक्षण किया गया।निरीक्षण के दौरान थाना कार्यालय, सीसीटीएनएस कक्ष, मालखाना, शस्त्रागार, बन्दी गृह, अपराध रजिस्टर सहित अन्य समस्त रजिस्टरों एवं अभिलेखों का गहनता से अवलोकन किया गया क्षेत्राधिकारी द्वारा सभी रजिस्टरों व अभिलेखों को अद्यावधिक रखने, कार्यालय कार्य में पारदर्शिता बनाए रखने तथा थाने की कार्यप्रणाली को और अधिक प्रभावी बनाने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

न्यूज झरोखा

सरिया लदा ट्राला, ट्रक से भिड़ा बाइक सवार दो घायल

अझुवा कौशाम्बी। आदर्श नगर पंचायत अझुवा हाइवे में आज रविवार हादसा होते होते बच गया,ट्रक की लापरवाही से बाइक सवार और राहगीरों की मुश्किल में जान फंस गई थी। घटनाक्रम के मुताबिक बाइक सवार सर्वेश श्रीवास्तव पुत्र जितेंद्र और बाटे पुत्र अमर सिंह निवासी लोहदा सैनी अझुवा बाजार आ रहे थे प्रयागराज कानपुर मार्ग धर्म कांटा के पास आगे जा रहा एक ट्रक चालक अचानक ट्रक को मोड़ने लगा जिससे बाइक सवार ट्रक से भिड़ गए इसी बीच पीछे से सरिया लोडकर एक ट्राला अनियंत्रित होकर मुड़ रहे ट्रक से टकरा गया ट्रक और ट्राला के बीच में बाइक सवार आ गए लेकिन ट्राला चालक की सूझ बूझ से बड़ा हादसा टल गया बाइक सवार ट्रक में भिड़ने से जख्मी हो गए सूचना पर मौके पर पहुंची अझुवा चौकी पुलिस ने दोनों जख्मियों को नजदीकी अस्पताल भिजवाया एवं ट्राला और उसके चालक योगेन्द्र पुत्र रतन लाल निवासी गौरन जौनपुर को कस्टडी में लिया है ।ट्रक चालक वाहन को छोड़कर फरार हो गया इस दौरान प्रयागराज कानपुर मार्ग आधा घंटा बाधित रहा ।पुलिस मामले की छानबीन में जुटी हुई है।

रोजगार मेले का आयोजन 18 नवम्बर को

कौशांबी। शिक्षित बेरोजगार अभ्यर्थियों को रोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला सेवायोजन कार्यालय, राजकीय आई0टी0आई0 सिराथू मंझनपुर एवं कौशल विकास मिशन के संयुक्त तत्वाधान में राजकीय आई0टी0आई0, सिराथू के परिसर में दिनांक-18 नवम्बर को एक दिवसीय रोजगार मेले का आयोजन किया जायेंगा। यह जानकारी जिला सेवायोजन अधिकारी ने देते हुए बताया कि रोजगार मेले में निजी क्षेत्र की कई कंपनियों के माध्यम से चयन की कार्यवाही की जायेगी। रोजगार मेले में न्यूनतम हाईस्कूल उत्तीर्ण, आई0टी0आई0,डिप्लोमा सभी प्रकार के (टेक्निकल एवं नॉन टेक्निकल) अभ्यर्थी प्रतिभाग कर सकतें हैं। रोजगार मेले में विभागीय पोर्टल पर पंजीयन की भी व्यवस्था की गई है। इच्छुक अभ्यर्थी प्रातः 10 बजे अपने समस्त शैक्षिक अभिलेखों की छायाप्रति के साथ प्रतिभाग कर सकते हैं।

गुण्डा नियन्त्रण अधिनियम में 03 लोग जिला बदर

कौशांबी। जिला मजिस्ट्रेट डॉ. अमित पाल ने गुण्डा नियन्त्रण अधिनियम-1970 के अन्तर्गत कुल 03 लोगों को जिला बदर करने का आदेश दिया है। जिला बदर होने वालों में-अवनीश कुमार पाण्डेय पुत्र राजकरन पाण्डेय निवासी ग्राम-रमसहाईपुर थाना-मोहब्बतपुर पइंसा को 03 माह के लिए, अभिषेक सिंह उर्फ बबुआ पुत्र अरूण सिंह उर्फ रामबाबू निवासी ग्राम-भेलखा थाना-मंझनपुर को 03 के लिए एवं मोहम्मद कैश पुत्र मोहम्मद इंद्रीश अंसारी निवासी ग्राम-अफजलपुरवारी थाना-मोहम्मदपुर पइंसा को 02 माह के लिए जिला बदर किया गया है।

हर रविवार की तरह कौशाम्बी पुलिस का मिशन स्वच्छता बना मिसाल

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। पुलिस थाना पुलिस चौकियो का साफ सुथरा करने का बीड़ा पुलिस अधीक्षक ने उठाया है पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर प्रत्येक रविवार को जिले के पुलिस थाने पुलिस चौकियो की साफ सफाई पुलिस कर्मियों द्वारा की जाती है।

इसी क्रम में इस रविवार को भी पुलिस थाना और पुलिस चौकियो की साफ सफाई पुलिस कर्मियों द्वारा की गई है पुलिस ने आज वह दृश्य पेश किया जो आमतौर पर सिर्फ आदर्श पुस्तिकाओं में पढ़ने को मिलता है जहाँ थानों में सिर्फ कानून की गूंज नहीं, बल्कि सेवा,अनुशासन और स्वच्छता की नई परंपरा दिखाई दी।पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार के निर्देशन में रविवार को पूरे जनपद में एक साथ ऐसा सुनियोजित और भव्य स्वच्छता अभियान चला, जिसने साफ कर दिया कि कौशाम्बी पुलिस सिर्फ कानून-व्यवस्था में ही नहीं, बल्कि प्रशासनिक मानकों में भी नंबर-वन बनने का संकल्प ले चुकी है।जहाँ वर्दी ने झाड़ू उठाया,वहीं थानों की तस्वीर बदल दी है रविवार को जिले के सभी थानों, पुलिस चौकियों और कार्यालयों में यह दुर्लभ दृश्य दिखाई दिया कांस्टेबल से लेकर उपनिरीक्षक चौकी प्रभारी से लेकर थाना प्रभारी और थाने की हर इकाई सब एक साथ सफाई में जुटे हुए दिखाई दिए हैं यह सिर्फ सफाई नहीं थी यह वर्दी के अनुशासन में बदलता चरित्र था अभियान में थाना परिसर कार्यालय भवन अभिलेख कक्ष, शस्त्रागार, मालखाना, हवालात, आवासीय परिसर, सभी शौचालय एवं सार्वजनिक स्थल तक व्यापक सफाई हुई हर स्थान पर धूल का नामोनिशान तक नहीं छोड़ा गया। अभिलेखों को पुनः व्यवस्थित किया गया, शस्त्रागार को चमकाया गया और मालखाने को पूरी तरह साफ-सुथरा कर मानकानुसार सुव्यवस्थित किया गया।एसपी राजेश कुमार ने कहा कि स्वच्छता सिर्फ अभियान नहीं, यह हमारी पहचान है पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार की कार्यसंस्कृति, उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि जो पुलिस अपने थाने को स्वच्छ और व्यवस्थित रख सकती है, वह अपने जिले को भी सुरक्षित और अनुशासित रख सकती है। उनके इस संदेश ने पूरे जनपद में उत्साह भर दिया।पुलिसकर्मियों ने श्रमदान कर यह साबित किया कि कौशाम्बी पुलिस सिर्फ आदेशों पर नहीं, मूल्यों पर चलती है।पूरे परिसर में दिखा अनुशासन का सौंदर्य,हर कोना बोला कि यहाँ पुलिस जागरूक है साफ-सफाई के बाद अधिकांश थानों की स्थिति एकदम बदली हुई नजर आई, फर्श चमकते हुए, दीवारें धुली हुई, कक्ष व्यवस्थित और हर जगह सफाई का मानक कायम दिखा यह परिवर्तन न सिर्फ आँखों को दिखाई देता है, बल्कि पुलिसझजन विश्वास को भी मजबूत करता है। एक नागरिक जब साफ-सुथरे और अनुशासित थाना परिसर में प्रवेश करता है, तो उसके मन में स्वतः यह भाव आता है यहाँ मेरा काम सम्मानपूर्वक होगा।एसपी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि जनपद के सभी थानों में प्रत्येक रविवार को स्वच्छता अभियान अनिवार्य रूप से संचालित होगा। यह निर्णय दिखाता है कि कौशाम्बी पुलिस सफाई को एक इवेंट नहीं, बल्कि संस्कृति बनाना चाहती है। यह निरंतरता प्रदेश की पुलिस के लिए एक आदर्श मॉडल बन सकती है।

सम्पादकीय

आतंकी हमले पर सरकार का ढीला रवैया

बुधवार को केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में लाल किला के पास हुए आतंकी हमले पर प्रस्ताव पारित किया गया। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने प्रस्ताव पढ़ते हुए कहा- मंत्रिमंडल ने इस आतंकी घटना को 'राष्ट्र-विरोधी ताकतों ने अंजाम दिया गया जघन्य कृत्य' बताया। जांच एजेंसियों को कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। सरकार की आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस (शून्य सहनशक्ति) नीति है। इस प्रस्ताव के बाद अब यह तय माना जाए कि लाल किले के पास जो आत्मघाती हमला हुआ वह वास्तव में देश की राजधानी पर एक और आतंकवादी हमला ही था। क्योंकि सोमवार को जब यह धमाका हुआ और इसे आतंकी हमला ही माना गया, तब भी सरकार की तरफ से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया था। पुलिस ने तो यूएपीए के तहत मामला दर्ज किया था, लेकिन खबरें चल रही थीं कि सीएनजी विस्फोट जैसी कोई घटना भी हो सकती है। आतंकी हमले को स्वीकार करने में देरी के पीछे कुछ कारण हो सकते हैं, जैसे 11 तारीख को बिहार में दूसरे चरण का मतदान था, ऐसे में भाजपा की यह बड़ी नाकामी जाहिर नहीं की जा सकती थी। या अभी पहलगाम हमले के जख्म हरे ही हैं कि देश पर एक और आतंकी हमला हुआ तो जनता सवाल कर सकती है कि मोदी सरकार आखिर कौन सी सख्ती की बात करती है, जब उसकी नाक के नीचे हमले हो रहे हैं। बुधवार को पारित प्रस्ताव में मंत्रिमंडल ने इस हमले के पीछे राष्ट्रविरोधी ताकतों को जिम्मेदार तो ठहराया गया है, लेकिन लगे हाथ मोदी सरकार को यह भी स्पष्ट करना चाहिए कि राष्ट्रविरोधी कहकर वह किस ओर संकेत कर रही है। क्योंकि अभी तक तो देश पर हुए तमाम आतंकी हमलों में पाकिस्तान पर आरोप लगाए जाते रहे हैं। लेकिन इस बार अब तक किसी भी संगठन ने खुलकर इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। सरकार ने भी अपने प्रस्ताव में कहीं भी पाकिस्तान का नाम नहीं लिया है। अगर इसमें पाकिस्तान का हाथ नहीं है, तो वह सरकार को स्पष्ट करना चाहिए। क्योंकि पहलगाम हमले में भी यही माना गया था कि पाकिस्तान ने आतंकवादी भेजे जिन्होंने हिंदुओं को उनका धर्म पूछकर मारा। इसके बाद ही ऑपरेशन सिंदूर हुआ और प्रधानमंत्री मोदी के मुताबिक ऑपरेशन सिंदूर अभी चल ही रहा है। याद रखें कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान मोदी सरकार ने तय किया था कि किसी भी आतंकी हमले को एक्ट ऑफ वॉर यानी युद्ध माना जाएगा, तो फिर अब केवल निंदा प्रस्ताव और कड़ी कार्रवाई के निर्देश जैसी औपचारिकताओं पर ही सरकार क्यों अटकी हुई है। पाकिस्तान इस हमले के पीछे नहीं है, तो फिर देश को और किन विरोधी ताकतों से खतरे खड़े हो गए हैं, इस बारे में भी सरकार को आगाह करना चाहिए। वैसे कई मीडिया रिपोर्ट्स में बताया गया कि हमले के तार जैश-ए-मोहम्मद और अंसार गजवत-उल-हिंद नाम के संगठनों जुड़े थे। इसमें तुर्किए से मदद का आरोप लगा, जो इस समय पाकिस्तान के करीब है। लेकिन तुर्किये के डायरेक्टरेट ऑफ कम्युनिकेशंस के सेंटर फॉर काउंटरिंग डिसइंफॉर्मेशन ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर कहा है।

बिहार में बडबोली राजनीति की हार, सुशासन की नई सुबह

-ललित गर्ग-

बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए की ऐतिहासिक एवं अनूठी जीत ने एक बार फिर यह स्पष्ट कर दिया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का करिश्माई व्यक्तित्व, गृहमंत्री अमित शाह की चुनावी रणनीति और उनकी जनस्वीकार्यता आज भी भारतीय राजनीति में निर्णायक भूमिका निभाती है। यह जीत सिर्फ एक गठबंधन की सफलता नहीं, बल्कि बिहार के भविष्य की नई रूपरेखा का संकेत है। नीतीश कुमार के अनुभवी नेतृत्व, भाजपा की संगठनात्मक मजबूती और उभरते हुए युवा सितारे चिराग पासवान के प्रभावी प्रदर्शन ने मिलकर इस चुनाव को एनडीए के पक्ष में एक मिसाल बना दिया। एनडीए की जीत के पीछे उनके 10 प्रमुख वादे हैं जिनमें पंचामृत गारंटी, रोजगार सृजन, मुफ्त शिक्षा, महिलाओं के लिए योजनाएं, कृषि सुधार और बुनियादी ढांचे का विकास शामिल है। इस बार के चुनाव इसलिये भी खास रहे क्योंकि 1951 के बाद बिहार में इस बार सबसे ज्यादा वोट पड़े।

इस बार बिहार में 67.13 प्रतिशत मतदान हुआ जो कि पिछले विधानसभा चुनाव से 9.6 प्रतिशत ज्यादा है। पुरुषों की तुलना में महिलाओं का मतदान 8.15 प्रतिशत ज्यादा रहा है। इस बार के मतदान में पुरुषों की हिस्सेदारी 62.98 प्रतिशत रही और महिलाओं की 71.78 प्रतिशत। बिहार में 3.51 करोड़ महिला वोटर हैं और 3.93 करोड़ पुरुष वोटर और कुल मतदाताओं की तादाद 7.45 करोड़ है। बिहार विधानसभा चुनाव के ताजा रुझानों में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के 200 सीटों के आंकड़े को पार कर रहा है, इस जनादेश में महिला मतदाताओं की सर्वाधिक महत्वपूर्ण भूमिका है। ऐसा प्रतीत होता है कि एकतरफा बिहार की महिलाओं का विश्वास जीत गया है, एनडीए विजयी हुआ है, बिहार विजयी हुआ है और महागठबंधन का बड़बोलापन हारा है। महागठबंधन की करारी हार अपने आप में कई सवाल छोड़ती है। चुनावी रैलियों में भीड़ जरूर इकट्ठी हुई, भाषणों में तीखे हमले भी हुए, लेकिन विपक्ष जनता का विश्वास जीतने में विफल रहा। नेतृत्व की अस्पष्टता, रणनीति की कमी, और विकास तथा सुशासन पर ठोस विजन की गैर-हाजिरी ने जनता को यह सोचने पर मजबूर किया कि सत्ता परिवर्तन से स्थिरता नहीं, बल्कि अनिश्चितता बढ़ सकती है। महागठबंधन बार-बार सामाजिक न्याय और पुराने नारों की दुहाई देता रहा, लेकिन आज का बिहार उन नारों से अधिक उम्मीदें रखता है-रोजगार, सुरक्षा, कानून व्यवस्था और बुनियादी सेवाओं की निरंतरता। इन मुद्दों पर विपक्ष का स्पष्ट और भरोसेमंद खाका सामने नहीं आ सका। यही कारण है कि उसके नेताओं की बड़बोली बयानबाजी जनता पर असर नहीं डाल सकी, बल्कि कई जगह उलटा असर दिखा गई। इसके विपरीत एनडीए ने अपने चुनाव अभियान को ह्यस्थिरता $ विकासह्न के सूत्र में पिरोया। मोदी की राष्ट्रव्यापी स्वीकार्यता, केन्द्र सरकार की जनकल्याणकारी नीतियां-योजनाएं और नीतीश कुमार की सुशासन-छवि ने बिहार के मतदाता को यह भरोसा दिया कि यह गठबंधन अनुभव, विश्वास, विकास और नीतिगत दृढ़ता का सही मिश्रण है। नीतीश कुमार भले कई राजनीतिक मोड़ों के लिए आलोचित हुए हों, लेकिन जनता के मन में उनकी छवि एक ऐसे प्रशासक की बनी हुई है, जो लंबे समय से बिहार को कानून-व्यवस्था, महिला सशक्तिकरण, सड़क-निर्माण और शिक्षा सुधार जैसे क्षेत्रों में आगे बढ़ाने का प्रयास करता रहा है। इस छवि का लाभ एनडीए को व्यापक रूप से

मिला। भाजपा की संगठनात्मक मशीनरी ने बूथ तक प्रभावी और लक्षित पहुंच बनाई, जिससे मतदाताओं में यह भरोसा मजबूत हुआ कि केंद्र व राज्य का समन्वय विकास की गति को और तेज करेगा। इन चुनावों का एक बड़ा आकर्षण चिराग पासवान का उभार रहा। उन्होंने यह साबित कर दिया कि वे किसी के ह्नमोहराह्न नहीं, बल्कि भविष्य के निर्णायक खिलाड़ी हैं। उनके आक्रामक और आत्मविश्वासी अभियान ने युवा और दलित वर्ग में नई ऊर्जा जगाई। एनडीए के भीतर उनकी भूमिका महज सांकेतिक नहीं थी, बल्कि वास्तविक जनाधार और असर से भरपूर रही। सीटों पर उनकी उल्लेखनीय पकड़ ने यह संदेश दिया कि वे आने वाले वर्षों में बिहार की राजनीति को नए सिरे से परिभाषित कर सकते हैं। यह भी सच है कि उनकी बढ़ती लोकप्रियता नीतीश कुमार के लिए संतुलन साधने की चुनौती भी बन सकती है, लेकिन यदि गठबंधन समन्वय बनाए रखता है, तो बिहार को इससे मजबूत नेतृत्व का लाभ मिल सकता है। अब सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि इस ऐतिहासिक जीत के बाद बिहार किस दिशा में आगे बढ़ेगा। जनता की अपेक्षाएँ बहुत ऊँची हैं-सुरक्षित समाज, संवेदनशील प्रशासन, भ्रष्टाचार पर अंकुश और विकास की तेज रफ्तार। कानून-व्यवस्था बिहार की राजनीति का सबसे संवेदनशील मुद्दा रहा है। लोग चाहते हैं कि अपराध-नियंत्रण में सुधार हो, पुलिस प्रशासन आधुनिक और जवाबदेह बने, और न्यायिक प्रक्रियाओं में तेजी आए। एनडीए के पास केंद्र और राज्य दोनों के संसाधन और राजनीतिक सामर्थ्य है, इसलिए उससे उम्मीद यह है कि वह ह्नसुशासन का दूसरा अध्यायह्न लिखने की दिशा में ठोस कदम उठाएगा। भाजपा न सिर्फ सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है, बल्कि जेडीयू के बगैर भी वह एनडीए के अन्य सहयोगियों के साथ जादुई आंकड़े को पार करती नजर आ रही है। ऐसे में नीतीश कुमार के लिए भाजपा के साथ किसी तरह का बिहार में बार्गेनिंग करना आसान नहीं रह गया है। भाजपा के शीर्ष नेतृत्व की ओर से यह बार-बार दोहराया गया है कि चुनाव के बाद भी परिणाम चाहे जो भी आएं, गठबंधन के चेहरे नीतीश कुमार ही बने रहेंगे। जेडीयू की ओर से भी यह बात दोहराई गई है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ही होंगे। फिलहाल इस पूरे चुनाव में महिला वोटर्स गेम चेंजर बताई जा रही हैं और ऐसा हुआ बिहार चुनाव से पहले महिला रोजगार योजना के तहत बिहार सरकार द्वारा महिलाओं के खाते में 10 हजार रुपये भेजे जाने से। वहीं चुनाव में महागठबंधन को बड़ा झटका लगा है।

निश्चित ही इन चुनाव परिणामों में बिहार का मतदाता अधिक सजग एवं विवेकशील दिखाई दिया हैं। वह जानता है कि सत्ता परिवर्तन से अधिक जरूरी है संस्कृति परिवर्तन, राजनीतिक शुचिता, विकास, कानून व्यवस्था और प्रशासनिक जवाबदेही। इस चुनाव ने केवल विधानसभा की सीटें तय नहीं की है, बल्कि यह तय किया है कि अब बिहार की जनता अपनी पुरानी परछाइयों से निकलकर प्रकाश की ओर बढ़ेगी। क्योंकि बिहार में पिछड़ेपन, भ्रष्टाचार, अराजकता की चर्चा तो होती रही है, लेकिन इन जटिल से जटिलतर होती समस्याओं से बाहर निकलने के रास्ते दिखाई नहीं दिये। बिहार की जनता का मोदी के प्रति एक नये तरह का विश्वास जागा है। पिछली सरकारों के दौर में बिहार बदहाली के दौर से काफी निकल चुका है और विगत दो दशक में यहां की स्थितियां काफी बदली है। इस बार बिहार चुनाव के परिणाम चौंकाने वाले इसलिये भी बने हैं कि इसकी आहट उन घोषणाओं से भी मिलती है, जो नीतीश सरकार ने की हैं। महिलाओं, दिव्यांगों और बुजुर्गों के लिए पहली बार इस पैमाने पर ऐलान किए गए हैं। इस चुनावी जनादेश को केवल राजनीतिक वर्चस्व के चश्मे से नहीं, बल्कि जनविश्वास की कसौटी से देखना जरूरी है। यह जीत भाजपा, जेडीयू और एलजेपी (रामविलास) के लिए अवसर भी है और चुनौती भी। अब उन्हें यह साबित करना होगा कि चुनावी नारों की चमक शासन की रोशनी में भी कायम रह सकती है।

जवाहर लाल नेहरू और भारतीय संसद

अरविंद कुमार सिंह

आजाद भारत के राजनीतिक इतिहास में 1948 से मई 1964 तक का कालखंड नेहरू युग कहा जाता है। इस दौर में संसद सबसे मजबूत संस्था के रूप में स्थापित हुई और संसदीय लोकतंत्र शिखर पर पहुंचा। इस दौरान भूमि सुधार, सहकारी खेती, बंजर और ऊसर भूमि सुधार, कृषि श्रमिकों को भूमि आवंटन, नदी घाटी परियोजनाओं पर संसद में लंबी बहसें हुईं। हाल में संपन्न बिहार के विधान सभा चुनावों में निम्न स्तरीय भाषा को लेकर जनता के बीच बहुत सी चचाएं चलीं। पर संविधान लागू होने के बाद जब 1951-52 में पहली लोक सभा और विधान सभाओं के चुनाव एक साथ हुए तो नेहरूजी ने अपनी भाषा को इतना संयत रखा था कि उन्होंने प्रतिपक्षी साथियों को भी विवश किया कि वे मुद्दों की बात करें। अपनी सभाओं में नेहरूजी ने कई मौकों पर कहा था कि वे 'ऐसे प्रत्याशियों को वोट दें जो सामाजिक न्याय को बढ़ाए, मनुष्य के व्यक्तित्व के गौरव और स्वतंत्रता को आगे ले जाये। धर्म और शिक्षा की स्वतंत्रता को आगे ले जाये। एक स्थान पर तो उन्होंने यहां तक कहा था कि 'गलत तरीके से जीतने से अच्छा है सही तरीके से पराजित हो जाना।

पहले आम चुनावों में वे देश भर में 40,278 किमी गए जिसमें से 141 किमी का सफर नावों से किया था, 2594 किमी रेलगाड़ी और 8474 किमी सड़क से गए। बाकी यात्रा हवाई मार्ग से हुई। तब एक साथ 497 लोकसभा और 3278 विधानसभा सीटों के चुनाव हो रहे थे। वे बिहार में दिसंबर 1951 और जनवरी 1952 में कई जगहों पर गए पर अधिकतर सभाओं में मतदान के महत्व पर बल दिया। कई सभाओं में उन्होंने महिलाओं से अपील की कि वे परदा प्रथा का त्याग करें और पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिला कर बराबरी से चलें।

पिछले कई सालों से भारत के महान नायक नेहरू पर अनर्गल टीका टिप्पणियों का दौर जारी है। हाल के सालों में वे थोड़ा सकारात्मक रूप में तब याद किए गए जब एनडीए ने तीसरी पारी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जीती। तब नेहरूजी से बराबरी को लेकर बहुत से प्रचार हुए। हालांकि नेहरूजी के नेतृत्व में कांग्रेस तीनों आरंभिक लोक सभा चुनावों में प्रचंड बहुमत मिला था। तीसरी पारी में भी नेहरूजी 361 सीटों पर विजयी रहे थे। नेहरूजी 17 सालों तक देश के प्रधानमंत्री रहे। अस्थायी संसद और पहली लोक सभा से 1964 तक वे लोक सभा में नेता सदन रहे। तब विपक्ष प्रतीकात्मक ही था। लेकिन वह नेहरूजी का ही कार्यकाल था जब विपक्ष को सबसे अधिक सम्मान मिला। विपक्ष की मांग पर नेहरूजी ने सरकार ने फैसलों को बदला। कांग्रेस सांसद मुदगल की सदस्यता समाप्त करा कर उन्होंने नैतिकता को आगे रखा। लाल बहादुर शास्त्री ने नैतिकता के आधार पर ट्रेन दुर्घटना को लेकर त्यागपत्र दिया तो नेहरूजी ने उसे स्वीकारा। अपने करीबी टीटी कृष्णामाचारी और कृष्णा मेनन का त्यागपत्र उन्होंने लिया और विपक्ष की मांग पर उन्होंने अपने सहायक एम ओ मथाई को दिया। ऐसी बातें इतिहास में दर्ज है।

उनकी सोच सबको साथ लेकर चलने की थी। 1947 में जिन 14 मंत्रियों की नियुक्ति नेहरूजी ने की, उसमें बाबा साहेब डॉ अंबेडकर, श्यामा प्रसाद मुखर्जी, जान मथाई, सी एच भाभा और षडमुखम चेट्टी गैर कांग्रेसी थे। उन्होंने सरकार के सभी कार्यक्रमों और नीतियों पर संसद की मुहर लगवायी। इतिहास गवाह है कि 1951-52, 1957 और 1962 में लोक सभा की 75 फीसदी तक सीटें कांग्रेस ने जीती थी। कांग्रेस का दबदबा था। उस दौरान बहुत से लोग यह मानते थे कि भारत शीघ्र ही निरंकुश शासन के अधीन हो जायेगा तथा लोकतंत्र का प्रयोग असफल होगा। पर नेहरूजी की सोच ने यह होने नहीं दिया। जब एक बार नेहरूजी से पूछा गया कि भारत के लिए उनकी विरासत क्या होगी, तो उन्होंने उत्तर दिया था कि ' बेशक स्वयं पर शासन करने में सक्षम चालीस करोड़ लोग।

नेहरूजी के कालखंड में ही हमारे संसद का सबसे बेहतरीन कामकाज हुआ। पहली लोकसभा के दौरान 1952 से 1957 के बीच 677 बैठकों में 319 विधेयक पारित हुए। अस्थायी संसद भी 1951 में 150 दिन चली थी, जबकि 1956 में संसद की 151 बैठकें हुई थी। यह घटते-घटते 17वीं लोक सभा तक 55 पर आ गयी है। लगातार बैठकें कम होती जा रही हैं और विपक्ष के सवालों पर चर्चा की जगह सरकार संसद को जयकारा का मंच बनाने पर अधिक जोर देती है। संसद का शीतकालीन सत्र आहूत किया गया है जो कि केवल 15 दिनों का है।

आजाद भारत के राजनीतिक इतिहास में 1948 से मई 1964 तक का कालखंड नेहरू युग कहा जाता है। इस दौर में संसद सबसे मजबूत संस्था के रूप में स्थापित हुई और संसदीय लोकतंत्र शिखर पर पहुंचा। इस दौरान भूमि सुधार, सहकारी खेती, बंजर और ऊसर भूमि सुधार, कृषि श्रमिकों को भूमि आवंटन, नदी घाटी परियोजनाओं पर संसद में लंबी बहसें हुईं। नेहरूजी के 6,130 दिनों के प्रधानमंत्री काल में एक से एक बेहतरीन खड़ी हुईं। उनके ही बनाए रास्ते से 1960 और 1970 के दशक में हरित क्रांति आयी जिसने देश को खाद्यान्न में आत्मनिर्भर बनाया। उनके बनाए सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों ने स्वदेशीकरण को गति दी। विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भारत का पिछड़ेपन दूर करने में उनका अनूठा योगदान रहा। भारत में नियोजित विकास की गति तेज करने के लिए 1950 में योजना आयोग का गठन हुआ जिसे 2015 में समाप्त कर दिया गया। हाल के सालों में राजनीतिक हलकों में उनको परिवारवादी और बहुत कुछ बताने का प्रयास हुआ। वे इस विचार को अलोकतांत्रिक मानते थे। मई 1961 में उन्होंने नोरमन कहा था कि किसी व्यक्ति को अपना उत्तराधिकारी बनाने की बात मेरी सोच के विपरीत है। कब्र से शासन करने की क्षमता मुझमें नहीं है। अपने निधन के पहले उनकी वसीयत में धन-दौलत की जगह यह कहा गया था कि- मेरी राख को देश के खेतों, पहाड़ों और नदियों में विसर्जित किया जाये ताकि मैं इस देश के कण-कण में व्याप्त रहूं। नेहरू के प्रधानमंत्री रहने का कालखंड स्थिर और मजबूत सरकार का दौर था। विपक्ष बड़े नामों के बावजूद प्रतीकात्मक था। पर वे विपक्ष को वे पूरा सम्मान देते थे। 1953 में नेहरूजी ने लोक सभा मे कहा कि सरकार के लिए निर्भीक आलोचकों और विपक्ष का होना जरूरी है। आलोचना के बिना लोग अपने में संतुष्ट अनुभव करने लगते हैं और सरकार आत्मसंतुष्ट हो जाती है। अपने जीवनकाल में बेहद व्यस्त रहने के बावजूद वे संसद में मौजूद रहते थे। लंबी बहसों को धैर्य से सुनते और नोट करते थे। विचारों की स्वतंत्रता के साथ लोकतंत्र और नागरिक स्वतंत्रता को वे सबसे ऊंचे पायदान पर रखते। वे कहते भी थे कि 'मैं किसी चीज के बदले में लोकतांत्रिक प्रणाली का त्याग नहीं करूंगा।

पंडित नेहरू संसद को लोकतंत्र का मंदिर मानते थे और सदन की मयार्दा के प्रति बेहद गंभीर रहते थे। पंडित नेहरू ने संसद को सर्वोच्च संस्था के रूप में स्थापित करने और सरकार की जवाबदेही सुनिश्चित करने में अहम योगदान दिया। संसद में वे जनहित के नाम पर जानकारी न देने के बहाने को अच्छा नहीं मानते थे। कई बार तो उन्होंने हस्तक्षेप भी किया, जिसमें सम्बन्धित मंत्री ने जानकारी देने से इंकार किया था। वे इस राय के थे कि सरकार के सभी कार्यक्रमों और नीतियों पर व्यापक बहस हो। लोग उसे समझें और उसका मूल्यांकन करें।

मुख्य राष्ट्रीय मुद्दों पर नेहरू ने सहमति बनाने का प्रयास किया। वे मानते थे कि केवल मताधिकार देने मात्र से सारे मसलों का समाधान नहीं हो जाएगा। प्रश्नकाल में उनकी खास दिलचस्पी थी। प्रश्नकाल में मौजूद रह कर कठिन सवालों के जवाब खुद देते थे। संसद सत्र में वे दिल्ली में रहें, इस बात का हमेशा ध्यान दिया। वे लोक सभा या राज्य सभा के सांसदों को विशेष निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधि भर नहीं मानते थे। 21 दिसम्बर, 1955 को लोक सभा में उन्होंने कहा था कि 'संसद सदस्य भारत के किसी विशिष्ट क्षेत्र के ही सदस्य नहीं, अपितु वह भारत का है, और वह भारत का प्रतिनिधित्व करता है।

समाज को राह दिखाता है मीडिया

रमेश सर्राफ धमोरा

देश को आजादी दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली पत्रकारिता आजादी के बाद भी अलग-अलग परिदृश्यों में अपनी सार्थक जिम्मदारियों को निभा रही है। लेकिन मौजूदा दौर में पत्रकारिता दिनोंदिन मुश्किल बनती जा रही है। जैसे-जैसे समाज में अत्याचार, भ्रष्टाचार, दुराचार और अपराध बढ़ रहा है। पत्रकारों पर हमले की घटनाएं भी बढ़ रही हैं। मीडिया और पत्रकारों पर हमला वही करते हैं या करवाते हैं जो इन बुराइयों में डूबे हुए हैं। ऐसे लोग दोहरा चरित्र जीते हैं। मीडिया जब इनके काले कारनामों की पोल खोलने लगता है तो ये बौखला जाते हैं और उन पर हमले करवाते हैं। पुलिस और शासन तंत्र भी इन्हीं का साथ देते हैं। दिखावे के तौर पर मामले दर्ज कर लिये जाते हैं लेकिन होता कुछ नहीं। ये हालात चिन्ताजनक हैं।

भारत में हर वर्ष 16 नवम्बर को राष्ट्रीय प्रेस दिवस मनाया जाता है। यह दिन भारत में एक स्वतंत्र और जिम्मेदार प्रेस की मौजूदगी का प्रतीक है। राष्ट्रीय प्रेस दिवस, प्रेस की स्वतंत्रता एंव जिम्मेदारियों की ओर हमारा ध्यान आकृष्ट करता है। प्रथम प्रेस आयोग ने भारत में प्रेस की स्वतंत्रता की रक्षा एंव पत्रकारिता में उच्च आदर्श कायम करने के उद्देश्य से एक प्रेस परिषद की कल्पना की थी। परिणाम स्वरूप 4 जुलाई 1966 को भारत में प्रेस परिषद की स्थापना की गई जिसने 16 नवम्बर 1966 से अपना विधिवत कार्य शुरू किया। तब से लेकर आज तक प्रतिवर्ष 16 नवम्बर को राष्ट्रीय प्रेस दिवस के रूप में मनाया जाता है। राष्ट्रीय प्रेस दिवस पत्रकारों को सशक्त बनाने के उद्देश्य से स्वयं को फिर से समर्पित करने का अवसर प्रदान करता है।

मीडिया को समाज का दर्पण एवं दीपक दोनों माना जाता है। चाहे वे समाचार पत्र हों या समाचार चैनल, उन्हें मूलतः समाज का दर्पण माना जाता है। दर्पण का काम है वह समाज की हू-ब-हू तस्वीर समाज के सामने पेश कर सकें। परन्तु कभी-कभी निहित स्वार्थों के कारण ये समाचार मीडिया समतल दर्पण की जगह उत्तल या अवतल दर्पण की तरह काम करने लग जाते हैं। इससे समाज की उल्टी, अवास्तविक, काल्पनिक एवं विकृत तस्वीर भी सामने आ जाती है। तात्पर्य यह है कि खोजी पत्रकारिता के नाम पर आज पीली व नीली पत्रकारिता हमारे कुछ पत्रकारों के गुलाबी जीवन का अभिन्न अंग बनती जा रही है। भारतीय प्रेस परिषद ने अपनी रिपोर्ट में कहा भी है कि भारत में प्रेस ने ज्यादा गलतियां की है एंव अधिकारियों की तुलना में प्रेस के खिलाफ अधिक शिकायतें दर्ज हैं। वर्तमान समय में पत्रकारिता का क्षेत्र व्यापक हो गया है। पत्रकारिता जन-जन तक सूचनात्मक, शिक्षाप्रद एवं मनोरंजनात्मक संदेश पहुंचाने की कला एंव विधा है। समाचार पत्र एक ऐसी उत्तर पुस्तिका के समान है जिसके लाखों परीक्षक एवं अनगिनत समीक्षक होते हैं। अन्य माध्यमों के भी परीक्षक एंव समीक्षक उनके लक्षित जनसमूह ही होते हैं। तथ्यपरकता, यथार्थवादिता, संतुलन एंव वस्तुनिष्ठता इसके आधारभूत तत्व है। परन्तु इनकी कमियां आज पत्रकारिता के क्षेत्र में बहुत बड़ी त्रासदी साबित होने लगी हैं। पत्रकार चाहे प्रशिक्षित हो या गैर प्रशिक्षित, यह सबको पता है कि पत्रकारिता में तथ्यपरकता होनी चाहिए। परन्तु तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर, बढ़ा-चढ़ा कर या घटाकर सनसनी बनाने की प्रवृति आज पत्रकारिता में बढने लगी है।

रिपोर्टर्स विदआउट बॉर्डर्स (आरएसएफ) के 2025 विश्व प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक में भारत 180 देशों में से 151वें स्थान पर है। यह 2024 में 159वें और 2023 में 161वें स्थान से थोड़ा बेहतर है। लेकिन भारत अभी भी बहुत गंभीर प्रेस स्वतंत्रता श्रेणी में है। भारत नेपाल (90वां), मालदीव (104वां), श्रीलंका (139वां) और बांग्लादेश (149वां) जैसे पड़ोसी देशों से नीचे है। नॉर्वे, एस्टोनिया और नीदरलैंड प्रेस स्वतंत्रता में वैश्विक स्तर पर शीर्ष तीन प्रदर्शनकारी हैं। पहली बार, वैश्विक प्रेस स्वतंत्रता को आर्थिक दबावों के बढ़ने के कारण कठिन स्थिति में देखा जा रहा है।

भारत जैसे विकासशील देशों में मीडिया पर जातिवाद और सम्प्रदायवाद जैसे संकुचित विचारों के खिलाफ संघर्ष करने और गरीबी तथा अन्य सामाजिक बुराइयों के खिलाफ लड़ाई में लोगों की सहायता करने की बहुत बड़ी जिम्मेदारी है। क्योंकि लोगों का एक बहुत बड़ा वर्ग पिछड़ा और अनभिज्ञ है। इसलिये यह और भी जरूरी है कि आधुनिक विचार उन तक पहुंचाए जाएं और उनका पिछड़ापन दूर किया जाए ताकि वे सजग भारत का हिस्सा बन सकें। इस दृष्टि से मीडिया की बहुत बड़ी जिम्मेदारी है।

आजादी से पहले पत्रकारिता एक मिशन थी। आजादी के बाद यह एक व्यवसाय बन गई। आपात काल के दौरान जब प्रेस पर सेंसर लगा था। तब पत्रकारिता एक बार फिर थोड़े समय के लिए भ्रष्टाचार मिटाओं अभियान को लेकर मिशन बन गई थी। धीरे-धीरे पत्रकारिता प्रोडक्शन से सेन्सेशन एवं सेन्सेशन से कमीशन बन गई है। परन्तु इन तमाम सामाजिक बुराइयों के लिए सिर्फ मीडिया को दोषी ठहराना उचित नहीं है। समाज में हमेशा बदलाव आता रहता है। विकल्प उत्पन्न होते रहते हैं। ऐसी अवस्था में समाज असमंजस की स्थिति में आ जाता है। इस स्थिति में मीडिया समाज को नई दिशा देता है। मीडिया समाज को प्रभावित करता है, लेकिन कभी-कभी येन-केन प्रकारेण मीडिया समाज से प्रभावित होने लगता है।

हालांकि प्रेस जहां एक तरफ जनता का आइना होता है। वहीं दूसरी ओर प्रेस जनता को गुमराह करने में भी सक्षम होता है। इसीलिए प्रेस पर नियन्त्रण रखने के लिए हर देश में अपने कुछ नियम और संगठन होते हैं। जो प्रेस को एक दायरे में रहकर काम करते रहने की याद दिलाते हैं। प्रेस की आजादी को छीनना भी देश की आजादी को छीनने की तरह ही होता है। चीन, जापान, जर्मनी, पाकिस्तान जैसे देशों में प्रेस को पूर्णतः आजादी नहीं दी गयी है। यहां की प्रेस पर सरकार का सीधा नियंत्रण है। इस लिहाज से हमारा देश भारत उनसे बहुत अधिक ठीक है। आज मीडिया के किसी भी अंग की बात कर लीजिये हर जगह दाव-पेंच का असर है। खबर से ज्यादा आज खबर देने वाले का महत्व हो चला है। लेख से ज्यादा लेख लिखने वाले का महत्व हो गया है। पक्षपात होना मीडिया में भी कोई बड़ी बात नहीं है। जो लोग मीडिया से जुड़ते हैं, अधिकांश का उद्देश्य जन जागरूकता फैलाना न होकर अपनी धाक जमाना ही अधिक होता हैं।

राष्ट्रीय एकता दिवस पर चमका चित्रकूट 200 केंद्रों पर कलाओं का महाकुंभ

ज्ञान, कला व जोश का धमाका

अखंड भारत संदेश

कार्यक्रम में प्रदर्शन करते बच्चे

चित्रकूट। राष्ट्रीय एकता दिवस पर रविवार को जिले के 200 परीक्षा केन्द्रों में प्रतिभा का ऐसा महाकुंभ सजा, जिसने पूरे चित्रकूट को उर्जा और उत्साह से भर दिया। लगभग 10 हजार बच्चों ने सामान्य ज्ञान, चित्रकला, मेहंदी, योगा और नृत्य जैसी विविध प्रतियोगिताओं में अपनी प्रतिभा का जलवा बिखेरा। गोस्वामी तुलसीदास डिग्री कॉलेज में संयोजक संतोष कुमार सिंह के साथ वरिष्ठ शिक्षक शैलेंद्र कुमार सिंह, कुमारी शांति देवी और ललित यादव ने आयोजन को दिशा दी। वहीं, बैजनाथ भारद्वाज इंटर कॉलेज में वासुदेव आचार्य और रागिनी द्विवेदी ने मोर्चा संभाला। पहाड़ी में धर्मेंद्र सिंह, संतोष सर, जानकी शरण और रामदयाल ने जिम्मेदारी निभाई, जबकि रघुवीर स्कूल में वंदना मैडम और तुलसी इंटर कॉलेज राजपुर में सूर्यभान सिंह व दिलीप सर ने संचालन किया। कार्यक्रम संयोजक संतोष कुमार सिंह ने बताया कि इन प्रतियोगिताओं का मकसद बच्चों की प्रतिभा को निखारना है। विजेताओं को पुरस्कार और प्रमाणपत्र देकर प्रोत्साहित किया जाएगा।

चित्रकूट बना गहोई राजनीति का केंद्र- 13 पदों की जंग, 165 वोटों में कैद भविष्य, काउंटिंग जारी

- महिलाओं की बंपर भागीदारी
- इतिहास रचने निकला समाज, नतीजे आज

अखंड भारत संदेश

गहोई धर्मशाला चित्रकूट वोट देने के बाद महिलाएं

चित्रकूट। गहोई समाज की प्रतिष्ठा और भविष्य की दिशा को तय करने वाला ऐतिहासिक दिन रविवार को गहोई धर्मशाला चित्रकूट में दर्ज हुआ। अखिल भारतीय गहोई वैश्य महासभा के 13 महत्वपूर्ण पदों के लिए सुबह से ही मतदान की हलचल शुरू हो गई थी, और देर शाम तक माहौल समाजिक उत्साह, एकता और लोकतांत्रिक जोश से पूरी तरह सराबोर दिखाई दिया। कुल 165 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया, और हर एक वोट अपने साथ समाज की नई राह, नई सोच और नई नेतृत्व क्षमता की उम्मीद समेटे हुए है। मतदान स्थल पर सुबह से ही उमंग और अनुशासन का अद्भुत संगम देखने को मिला। विशेष रूप से महिलाओं की भागीदारी इस बार उल्लेखनीय रही- वे परिवार सहित मतदान करने पहुंचीं और समाज में अपनी भागीदारी का दमदार संदेश दिया। बुजुर्गों से लेकर युवाओं तक, हर वर्ग इस चुनाव को समाजिक परिवर्तन का अवसर मानते हुए भारी संख्या में गहोई भवन पहुंचा। समाचार लिखे जाने तक काउंटिंग जारी थी और किसके सिर ताज सजेगा, इसका रोमांच पूरे समाज में दौड़ रहा है। अंतिम परिणाम कल सोमवार दोपहर तक घोषित होने की संभावना है, जिसका इंतजार पूरे देश में फैले गहोई समाज के लोग उत्सुकता से कर रहे हैं। गहोई समाज की एकता और लोकतांत्रिक भावना आज फिर चित्रकूट में चमक उठी।

सर्वोदय विद्यालयों में बदलेगी थाली की तकदीर, जिले में शुरू हुआ नया सर्वोदय मॉडल

114 रुपए की थाली में खुशहाली

चित्रकूट। जिले में संचालित जय प्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालयों की थाली अब और पौष्टिक, और बेहतर होने जा रही है। जिला समाज कल्याण अधिकारी डॉ वैभव त्रिपाठी ने बताया कि मिशन निदेशक उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के निर्देश पर विद्यालयों में भोजन व नाश्ते की व्यवस्था अब स्वयं सहायता समूहों और संकुल स्तरीय समितियों को सौंपी गई है। सरधुवा विद्यालय के लिए कुटुम्ब संकुल संघ कलचिहा के लिए जय मारी दाई स्वयं सहायता समूह और मानिकपुर के लिए सीता स्वयं सहायता समूह का चयन किया गया है। इन समूहों के माध्यम से छात्रों को प्रति छात्र 114 रुपए प्रतिदिन की दर से पौष्टिक भोजन और नाश्ता उपलब्ध कराया जा रहा है। पुनरीक्षित दरों के चलते जहां छात्रों को गुणवत्ता से भरपूर भोजन मिल रहा है, वहीं इन महिला समूहों को स्थायी आय का मजबूत स्रोत प्राप्त हुआ है। सरकार की यह पहल शिक्षा के साथ महिला सशक्तिकरण की एक सशक्त मिसाल बनकर उभर रही है।

मानिकपुर में इंसानियत शर्मसार- खेत में नाबालिग से दरिंदगी, आरोपी फरार

मानिकपुर/चित्रकूट। मानिकपुर में रविवार सुबह एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई, जहां शौच के लिए खेत गई नाबालिग लड़की को सकारौंहा गांव के अमृत लाल कोल ने अकेला पाकर दरिंदगी का शिकार बनाया और मौके से फरार हो गया। बदहवास हालत में घर लौटी बच्ची ने परिजनों को घटना बताई तो परिवार सीधे थाने पहुंचा। पिता की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर बालिका को मेडिकल जांच हेतु भेजा। थाना प्रभारी ने बताया कि आरोपी की गिरफ्तारी के लिए टीमें दबिश दे रही हैं और मामले की गंभीरता से जांच जारी है।

विधि-अनुराग बने मैदान के महारथी, भैरों मिश्र बोले- खेल ही बनाते हैं असली इंसान

- खेल की धूप में चमके नन्हें सितारे
- स्पोर्ट्स मीट में उभरे नए चौंपियन

स्पोर्ट्स मीट के झंडारोहण में मौजूद पूर्व सांसद

चित्रकूट। चित्रकूट इंस्टीट्यूट ऑफ कंप्यूटर साइंस एंड टेक्नोलॉजी द्वारा आयोजित स्पोर्ट्स मीट ने कर्वी के मैदान को ऊर्जा, उमंग और प्रतियोगिता के रंगों से भर दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ पूर्व सांसद भैरों प्रसाद मिश्र ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर किया। उद्घाटन भाषण में उन्होंने कहा कि शिक्षा की तरह खेल भी बच्चे के व्यक्तित्व को गढ़ने वाली मजबूत धुरी है। खेलकूद से अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, सामूहिकता और आत्मविश्वास जन्म लेता है, जो जीवन की हर परीक्षा में साथ देता है। मैदान में बच्चों की प्रतिभा कुछ इस अंदाज में चमकी कि दर्शक तालियां बजाते थक गए। बालिका वर्ग में विधि पटेल ने अपनी शानदार परफॉर्मेंस के दम पर चौंपियनशिप जीती, जबकि बालक वर्ग के चौंपियन बने अनुराग तिवारी। लंबी कूद में विधि पटेल और रेहान खान अव्वल रहे। भाला फेंक में निशा और हैप्पी ने बाजी मारी, जबकि गोला फेंक में शिवानी ने अपनी ताकत का लोहा मनवाया। 100 मीटर और 200 मीटर दौड़ में विधि और अनुराग की जोड़ी ने मैदान में अपना दबदबा बनाए रखा। समापन अवसर पर जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी रजनीश तिवारी ने विजेताओं को पुरस्कृत करते हुए कहा कि खेल मानसिक विकास की सबसे बड़ी प्रयोगशाला है। जो जीते हैं, वे आगे बढ़ें और जो नहीं जीते- वे और मजबूत होकर लौटें। कार्यक्रम का संचालन प्रबंधक अशोक कुमार जायसवाल और व्यवस्थापिका कादंबरी ने किया। निर्णायक मंडल और स्टाफ की टीम- प्रेमचंद, भरत तोमर, श्रीकेशन, श्याम सुंदर, विनय, प्रियांकित, अभिषेक, धनंजय, पूजा, राजकुमार समेत कई शिक्षकों ने आयोजन को यादगार बना दिया।

न्यूज झरोखा

जागृति परियोजना में खेल, संवाद और कौशल से बदला किशोरों का नजरिया, जगाई आत्मविश्वास की चिंगारी

चित्रकूट। जिले में किशोर-किशोरियों के व्यक्तित्व विकास को नई दिशा देने वाली जीवन कौशल आधारित एक दिवसीय कार्यशाला ने ग्रामीण अंचलों में उत्साह और सीख का अनोखा वातावरण तैयार किया। ममता हेल्थ इंस्टिट्यूट फॉर मदर एंड चाइल्ड की जागृति परियोजना के तहत रामनगर और शिवरामपुर ब्लॉक के भभेट, रगौली, रुपौली, बड़ेवरा, बिहारा, देयुधा, इटखरी, साईंपुर और परसौजा समेत कई गांवों में यह महत्वपूर्ण प्रशिक्षण आयोजित हुआ। दिल्ली ऑफिस से आए प्रशिक्षक ईश्वर सिंह ने जीवन कौशल से जुड़े संवाद कला, निर्णय क्षमता, समस्या-समाधान तकनीक और टीमवर्क को किशोरों की समझ के अनुरूप गतिविधियों और खेलों के माध्यम से समझाया। उन्होंने बताया कि किसी भी समस्या का समाधान शांत मन से निकलता है, जबकि जल्दबाजी उलझनों को बढ़ाती है। हैंडबॉल सहित कई आउटडोर गेम्स ने प्रतिभागियों में जोश, आत्मविश्वास और सहयोग की भावना बढ़ाई। कार्यशाला में उत्साहपूर्ण भागीदारी ने आयोजन को जीवंत बना दिया। इस दौरान जिला समन्वयक राजीव कुमार पाठक, खंड समन्वयक विकास पांडेय, विनोद कुमार पांडेय, ओआरडब्ल्यू पल्लवी, रीतू, उजाला सहित कई विद्यालयों के प्रधानाध्यापक व शिक्षक उपस्थित रहे। सभी ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम किशोरों के व्यक्तित्व में निखार लाने में अत्यंत उपयोगी हैं और इनका निरंतर आयोजन होना चाहिए।

रमपुरिया के आदिवासी बच्चों में खिली मुस्कान, घाटी कोलान में चमका बाल दिवस

मानिकपुर/चित्रकूट। जिले के मानिकपुर ब्लॉक के सरैया ग्राम पंचायत के मजरा घाटी कोलान और रमपुरिया में बाल दिवस इस बार सिर्फ एक उत्सव नहीं, बल्कि उम्मीदों का उजाला बनकर उतरा। जन कल्याण शिक्षण प्रसार समिति चित्रकूट ने जीव दया फाउंडेशन, यूएसए के सहयोग से यहाँ के आदिवासी बच्चों के साथ बाल दिवस का आयोजन बड़े हर्षोल्लास के साथ किया, जिसका मूल उद्देश्य था- जरूरतमंद बच्चों तक शिक्षा और मूलभूत सामग्री पहुँचाना, उनके चेहरों पर मुस्कान बिखेरना, और अभिभावकों में शिक्षा के प्रति संवेदनशीलता जगाना। संस्था के कार्यकर्ता आदित्य ने बच्चों व अभिभावकों से संवाद कर स्वच्छता, पोषण, नियमित पढ़ाई तथा आत्मविश्वास के महत्व को सरल भाषा में समझाया। इस अवसर पर मानिकपुर के बाल विकास परियोजना अधिकारी अनुज प्रताप सिंह विशेष रूप से मौजूद रहे। उन्होंने अभिभावकों को शिक्षा से जुड़ी महत्वपूर्ण सरकारी योजनाओं- नेशनल स्कॉलरशिप, नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा, कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय तथा अन्य जनकल्याणकारी अवसरों के बारे में विस्तार से जानकारी दी और बच्चों को इन योजनाओं का लाभ समय पर दिलाने की अपील की। कार्यक्रम के अंत में सीपीडीओ ने समिति के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसी पहलें ग्रामीण व आदिवासी क्षेत्रों में बच्चों के भविष्य को संवारने में अमूल्य भूमिका निभाती हैं।

महाविद्यालय में अनुशासन के नाम पर बच्चों पर बरसा कहर, प्रयागराज रेफर, प्रशासन जांच में जुटा

- छात्रों पर बरसी बर्बरता
- प्रबंधन पर गंभीर आरोप
- महाविद्यालय की छवि पर दाग

मऊ/चित्रकूट। मऊ तहसील क्षेत्र में स्थित रामनगर ब्लॉक के सुंदर सिंह सिंह पटेल महाविद्यालय करही इन दिनों एक सनसनीखेज विवाद का अड्डा बन गया है। आरोप है कि संस्थान के प्रबंधन से जुड़े एक जिम्मेदार पद पर बैठे शख्स ने कई मासूम छात्रों की ऐसी बेरहमी से पिटाई कर दी कि दो छात्र गंभीर रूप से घायल होकर अस्पताल पहुंच गए। घटना के बाद पूरे इलाके में आक्रोश की लहर दौड़ गई है। महाविद्यालय के छात्र आदर्श के पिता भगवानदीन ने 15 नवम्बर को पुलिस को लिखे पत्र में बताया कि विद्यालय प्रशासन ने कैसे पद की गरिमा को तार तार करते हुए मासूम छात्रों के साथ मारपीट की। बरिया निवासी एक छात्र की हालत इतनी गंभीर बताई जा रही है कि उसे प्राथमिक उपचार के बाद प्रयागराज रेफर करना पड़ा। छात्र के भाई का कहना है कि उसकी गर्दन में ऐसी चोटें लगी हैं कि सूजन की वजह से उसे भोजन तक निगलने में दिक्कत हो रही है। दूसरा घायल छात्र भी गंभीर चोटों से जूझ रहा है। बाकी पाँच छात्र, जो कथित पिटाई का शिकार बताए जा रहे हैं, प्रबंधन के दबाव और परिजनों के डर से कैमरे के सामने आने से कतराते नजर आए। घटना दोपहर के भोजन अवकाश के दौरान हुई, जब छात्र पानी पीने गए थे। आरोप है कि तभी उन्हें बुलाकर मारपीट की गई। परिजनों का यह भी आरोप है कि संस्थान में अक्सर छात्रों के साथ मारपीट की जाती है और शिकायत करने पर नाम काटने की धमकी दी जाती है। वहीं प्रबंधन पक्ष ने इन आरोपों को सिरे से नकारते हुए कहा है कि बच्चे केवल अनुशासनहीनता कर रहे थे और उन्हें सिर्फ डांटा गया था। इस बीच मऊ थाना पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और आश्वासन दिया है कि जांच पूरी होते ही सख्त कार्रवाई की जाएगी।

दीनदयाल आईटीआई लगेगा रोजगार मेला युवा संगम में 15 कंपनियां देंगी मौका

- सैकड़ों युवाओं को मिलेगा अवसर
- 19 नवंबर को लगेगा रोजगार मेला

दीनदयाल आईटीआई के छात्र

चित्रकूट। दीनदयाल शोध संस्थान द्वारा संचालित दीनदयाल औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र चित्रकूट में आगामी 19 नवंबर बुधवार को एक दिवसीय विशाल युवा संगम-रोजगार मेला आयोजित किया जा रहा है। तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार विभाग, मध्यप्रदेश शासन के सहयोग से आयोजित यह मेला सुबह 11 बजे से शुरू होगा, जिसमें देशभर की 15 बड़ी कंपनियां युवाओं को नौकरी, स्वरोजगार और अप्रेंटिसशिप का अवसर प्रदान करेंगी। मेले में एमएसएमई से लेकर मैन्युफैक्चरिंग, टेक्निकल और इंडस्ट्रियल सेक्टर की कंपनियां जैसे- चैतन्य फाइनेंस, मदरसन सुमी वायरिंग इंडिया लिमिटेड, बजाज ऑटो लिमिटेड, सिंटेक्स इंडस्ट्रीज, जय भारत, मारुति लिमिटेड, जीडीएक्स सिक्योरिटी नोएडा समेत कई प्रतिष्ठित संस्थान शामिल होंगे। यहां 18 से 35 वर्ष आयु वर्ग के दसवीं पास से स्नातक, आईटीआई, डिप्लोमा और तकनीकी डिग्रीधारी युवाओं को मध्यप्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र और रीवा संभाग में रोजगार के अवसर मिलेंगे। दीनदयाल आईटीआई के प्राचार्य संजय दुबे ने बताया कि संस्थान 2006 से कौशल आधारित व्यावसायिक प्रशिक्षण के माध्यम से ग्रामीण युवाओं को रोजगारोन्मुखी शिक्षा प्रदान कर रहा है। इलेक्ट्रिशियन, फिटर, मोटर मैकेनिक, ड्राफ्ट्समैन, प्लंबर, सोलर टेक्नीशियन सहित आठ प्रमुख ट्रेडों में प्रशिक्षण दिया जाता है। रोजगार मेले में सभी प्रक्रियाएं निशुल्क होंगी और उम्मीदवारों का चयन उनकी योग्यता एवं कौशल के आधार पर किया जाएगा।

शिव-पार्वती की अमर गाथा से गूंजा राजेन्द्र पांडेय निवास, भागवत कथा में उमड़ा भक्तों का सैलाब

फोटो- भागवत कथा के दूसरे दिन कथा कहते भागवत व्यास

भागवत कथा के दूसरे दिन मौजूद श्रोतागण

चित्रकूट। जिले के वरिष्ठ पत्रकार स्वर्गीय राजेंद्र पांडेय के आवास परिसर में चल रही श्रीमद्भागवत महापुराण कथा का रविवार को दूसरा दिन आध्यात्मिक अनुभूति, दिव्य वातावरण और गूंजते शास्त्रीय ज्ञान से भर उठा। व्यासपीठ पर विराजमान व्यास महाराज रवि शास्त्री जी ने शुकदेव एवं व्यास जी की उत्पत्ति से जुड़ी वह अमर कथा सुनाई, जिसे स्वयं भगवान शिव ने माता पार्वती को सुनाया था। शास्त्री जी ने स्पष्ट किया कि संसार में किए गए क्रिया-कर्म गंगा धारा से धुल जाते हैं, परंतु मन से किए गए पाप, देखे-सोचे गए दुष्कर्म, और अन्यायपूर्ण संकल्प गंगा भी नहीं धो पाती। उन्होंने द्रौपदी के चीरहरण का प्रसंग सुनाते हुए कहा कि ऐसे पापों का फल अवश्य भोगना पड़ता है। धृतराष्ट्र के उदाहरण के माध्यम से बताया गया कि आंखें बंद कर अन्याय का समर्थन करना भी उतना ही बड़ा अपराध है जितना उसे करना। अमर कथा के दिव्य प्रसंगों के बीच श्रोतागणों की भाव-भक्ति देखने योग्य रही। कथा स्थल पर सुबह से ही लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी और व्यास महाराज के हर शब्द के साथ पूरा वातावरण भक्ति, श्रद्धा और आत्ममंथन से भरता गया। आज की कथा ने संदेश दिया कि कर्म ही मानव का वास्तविक परिचय है, और अन्याय के सामने मौन रहना भी पाप का ही रूप है। श्रोताओं ने गहनता से कथा का श्रवण कर पुण्य लाभ प्राप्त किया।

सत्ता की मलाई खाने वालों की खामोशी में गूंजा सड़क का शोर- व्यापारी ने बदली हवा की दिशा

निरंजन पाण्डेय

- सियासत में आने वाली बड़ी करवट
- बड़े नेताओं की खिसकी जमीन

चित्रकूट। जिस तेवर से एक व्यापारी नेता ने स्वास्थ्य जैसी जनसमस्या को लेकर सड़क पर उतरकर आवाज बुलंद की, उसने जिले की सियासत में भूचाल ला दिया है। जिसका पेशा व्यापार था, वह अब समाजसेवा का मुखौटा पहनकर उभरा है। यह दृश्य जिले के लिए नया है- जहां एक व्यापारी के साथ आम जनता की भीड़ उमड़ पड़ी, और लोगों की आंखों में उम्मीद की चमक दिखाई दी। इस अप्रत्याशित उठान ने जिले के राजनीतिक गलियारों में ऐसी खलबली मचाई है, मानो किसी ने सत्ता की कुर्सियों के नीचे से जमीन खींच ली हो। कई पुराने नेता जो अब तक अपनी पकड़ पर इतराते थे, अब असमंजस में हैं। डर का साया सियासत पर छा गया है। लोग फुसफुसा रहे हैं- व्यापारी राजनीति में क्यों उतरा? उसका असली इरादा क्या है? सवाल सबके होंठों पर हैं, पर जवाब के नाम पर सिर्फ कयास ही लग रहे हैं- कोई कहता है नगर पालिका लक्ष्य है तो कोई विधायक। इसी बीच भाजपा आश्वस्त है कि जिले में उसका कोई सांसद या विधायक नहीं, तो भय की बात नहीं, वहीं सपा चैन की सांस ले रही है कि प्रदेश में उसकी सत्ता नहीं, तो जवाबदेही भी नहीं। पर जनता पूछ रही है- जब अस्पताल की दुर्दशा, सड़कों की धूल और स्वास्थ्य की कराह सुनाई देती है, तब जवाब कौन देगा? सांसद, विधायक या व्यापारी नेता? राजनीति के मंच पर यह नया किरदार कई समीकरणों को पलटने की ताक में है। और जबकि बड़े नेता अब भी अधिकारियों संग बंद कमरों में मलाई खा रहे हैं, फोटोबाजी में लगे है। जनता उस व्यापारी की अगली चाल पर नजर गड़ाए बैठी है- कहीं यह व्यापारी आने वाले दिनों में जिले में राजनीति की बाजी ही न पलट दे और बडे नेता सिर्फ पूर्व नेताजी रह जाएं।

आतंकी... ईरान ने दिल्ली धमाकों पर ऐसा क्या बोला, हिली दुनिया!

ईरान

कहते हैं दोस्त वही जो मुश्किल वक्त में साथ खड़ा हो। और दिल्ली में 10 नवंबर को हुए भीषण आतंकवादी हमले के बाद यह बात एक देश ने सबसे ज्यादा साबित की है और वह है ईरान। जहां दुनिया के कई देश औपचारिक और देरी से प्रतिक्रिया दे रहे थे। वहीं ईरान ने 72 घंटे में दूसरी बार दिल्ली में हुए इस आतंकवादी विस्फोट की कड़ी निंदा की है और इस बार ईरान का संदेश सिर्फ भारत के लिए नहीं था बल्कि पाकिस्तान से लेकर अमेरिका तक हर देश के लिए एक सख्त कूटनीतिक संकेत था। हमले के कुछ घंटे बाद ही भारत स्थित ईरानी दूतावास ने एक्स पर अपनी पहली प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि दिल्ली में हुए कार विस्फोट में भारतीय नागरिकों की मौत से गहरा दुख है। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बाकेई ने भारत सरकार और जनता, विशेषकर मृतकों के परिवारों के प्रति ईरान की ओर से संवेदना व सहानुभूति व्यक्त की। उन्होंने इस दुखद घटना में घायल हुए लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।अमेरिका, चीन, जापान, श्रीलंका, मालदीव, इजराइल, आयरलैंड और नेपाल सहित दुनिया भर के नेताओं ने राष्ट्रीय राजधानी में हुए विस्फोट में हुई जान-माल की हानि पर शोक व्यक्त किया था। सोमवार शाम लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास लाल बत्ती पर धीमी गति से चल रही एक कार में हुए जोरदार विस्फोट में नौ लोगों की मौत हो गई थी और 20 अन्य लोग घायल हुए थे। पुलिस ने बताया कि मंगलवार को तीन और लोगों की मौत के साथ ही मृतकों की संख्या बढ़कर 12 हो गई। यह कोई मामूली घटना नहीं थी। लेकिन ठीक 72 घंटे बाद ईरान ने जिस तरह दूसरी प्रतिक्रिया जारी की उसने कूटनीतिक हलकों में हलचल पैदा कर दी। अपनी दूसरी पोस्ट में ईरानी दूतावास ने लिखा हम नई दिल्ली के लाल किला क्षेत्र के पास हुए आतंकवादी कार विस्फोट की कड़ी निंदा करते हैं। यहां दो बातें महत्वपूर्ण है। ईरान ने इसे टेररिस्ट कार एक्सप्लोजन यानी कि आतंकी हमला करार दिया। ईरान ने आतंकवाद के सभी स्वरूपों की कड़ी निंदा दोहराई। यानी, ईरान ने पहला बयान सिर्फ औपचारिक तौर पर नहीं दिया था। दूसरी बार उसने दुनिया को संकेत दिया कि दिल्ली का धमाका आतंकवादी हमला था। भारत के खिलाफ हुआ यह हमला अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बेहद गंभीर मुद्दा है और फिर यह वही बयान है। जिसने पाकिस्तान और अमेरिका दोनों के लिए अलग-अलग संदेश भेजे।

याद कीजिए धमाके के तुरंत बाद पाकिस्तान के कई नेताओं और पत्रकारों ने इसे सिलेंडर ब्लास्ट बताना शुरू किया था। कुछ तो इसे मामूली घटना बताने तक चले गए थे। लेकिन ईरान ने इस पूरी कहानी पर सीधा कट लगा दिया है। ईरान ने इसे स्पष्ट रूप से आतंकी हमला कहा।

भारत के बयानों की पुष्टि की। पाकिस्तान की बयानबाजी को खारिज किया। इसका कूटनीतिक मतलब पाकिस्तान के लिए यह है कि भारत में होने वाले हमलों को छोटी घटना बताने की नीति अब नहीं चलेगी। पाकिस्तान का समस्या को छुपाने का प्रयास दुनिया देख रही है। ईरान जैसे बड़े क्षेत्रीय देश पाकिस्तान के नैरेटिव को मानने को तैयार नहीं है। ये पाकिस्तान के लिए किसी जोरदार थप्पड़ से कम नहीं है।

चीन की दादागिरीः ताइवान के लॉ-मेकर पर 'अलगाववाद' का आरोप, DPP ने कड़ा विरोध जताया

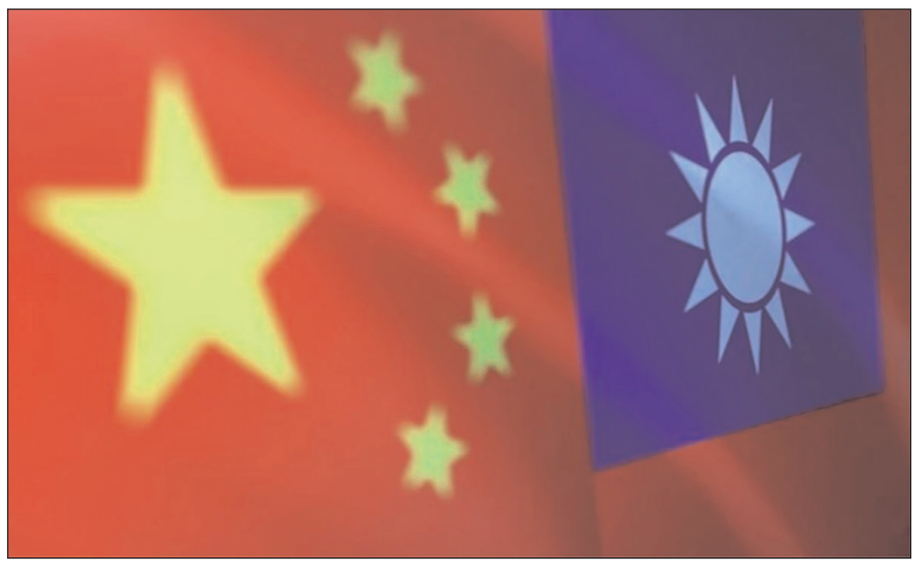

ताइवान

ताइवान की डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी के सांसदों ने चीन की निंदा करते हुए एक प्रस्ताव पेश किया है। ऐसी खबरें आई हैं कि चीन उद्धढ विधायक प्यूमा शेन के खिलाफ "अलगाववाद" को बढ़ावा देने के आरोपों में कानूनी कार्रवाई करने का इरादा रखता है। प्रस्ताव में तर्क दिया गया है कि चीन का बढ़ता दबाव अभियान ताइवान की लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को कमजोर करने और उसके निर्वाचित अधिकारियों को डराने-धमकाने का सीधा प्रयास है, जैसा कि द ताइपे टाइम्स ने बताया है।

द ताइपे टाइम्स, जो कि उद्धढ कॉकस है, के अनुसार, चीन की धमकियाँ ताइवान के आंतरिक मामलों में एक अस्वीकार्य दखलंदाजी हैं और न केवल राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए, बल्कि व्यापक नियम-आधारित वैश्विक व्यवस्था की स्थिरता के लिए भी खतरा हैं। कॉकस ने सभी दलों के विधायकों से शेन के राजनीतिक कर्तव्यों को आपराधिक बनाने और ताइवानी जनता में भय पैदा करने के चीन के कदम का कड़ा और एकजुट विरोध करने का आग्रह किया। प्रस्ताव स्पष्ट करता है कि चीन का ताइवान पर कोई कानूनी अधिकार नहीं है और इसलिए वह अपने कानूनों का उपयोग करके ताइवानी नागरिकों को प्रतिबंधित या दंडित नहीं कर सकता। प्रस्ताव में कहा गया है कि ताइवान के लोगों को प्राप्त संवैधानिक स्वतंत्रताएँ अंतर्निहित हैं और उन्हें चीनी सरकार की राजनीतिक सनक से नियंत्रित नहीं किया जा सकता। प्रस्ताव के तहत, सांसद राष्ट्रीय रक्षा को बढ़ावा देने, समान विचारधारा वाले लोकतंत्रों के साथ संबंधों को मजबूत करने और ताइवान की संप्रभुता संबंधी प्राथमिकताओं की रक्षा के उद्देश्य से उपायों को सुदृढ़ करने के लिए प्रतिबद्ध होंगे।

शेन के खिलाफ चीन के आरोप चीन की सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ की एक रिपोर्ट से उपजे हैं, जिसमें दावा किया गया था कि चोंगकिंग नगर सार्वजनिक सुरक्षा ब्यूरो "अलगाव" से जुड़ी गतिविधियों के लिए उनकी जाँच कर रहा है, जिसमें नागरिक सुरक्षा प्रशिक्षण समूह कुमा अकादमी की स्थापना में उनकी भूमिका भी शामिल है।

इंडोनेशिया के जावा में भूस्खलन का कहर, 6 की मौत, 17 अब भी लापता

इंडोनेशिया

इंडोनेशिया के मध्य जावा में लंबे समय तक हुई भारी बारिश के बाद हुए भूस्खलन में छह लोगों की मौत हो गई और 17 लोग लापता हैं। अंतरा ने आपदा अधिकारी बुदी इरावन के हवाले से बताया कि गुरुवार को सिलाकैप शहर में हुए भूस्खलन में सिबेयुनयिंग गाँव के एक दर्जन घर दब गए। इंडोनेशिया की आपदा प्रबंधन एजेंसी के एक डिप्टी बुदी के हवाले से कहा गया, कि हमें तीन और शव मिले हैं, अब केवल 17 शव ही और बचे हैं। हम अपनी पूरी क्षमता से काम कर रहे हैं। एजेंसी को पहले तीन शव मिले थे। बुदी ने कहा कि बचावकर्मियों के लिए यह स्थान चुनौतीपूर्ण था, क्योंकि पीड़ित 3 से 8 मीटर (10-25 फीट) गहराई में दबे हुए थे। मौसम एजेंसी का कहना है कि दक्षिण-पूर्व एशियाई देश में बारिश का मौसम सितंबर में शुरू होकर अप्रैल तक चलेगा, जिससे कई इलाकों में बाढ़ और अत्यधिक वर्षा का खतरा बढ़ जाएगा। जनवरी में मध्य जावा के एक अन्य शहर, पेकलोंगन में मूसलाधार बारिश के कारण हुए भूस्खलन में कम से कम 25 लोगों की मौत हो गई थी।

35 एकड़ की जमीन को लेकर पूरी दुनिया में तनाव

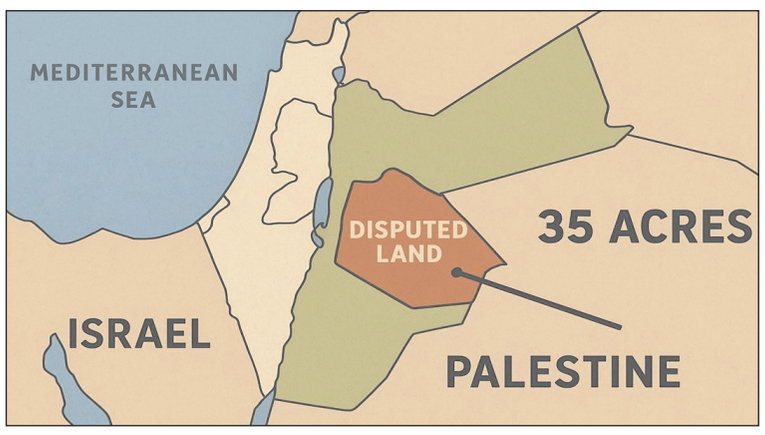

इजरायल

हमारी ये धरती बहुत बड़ी है। तकरीबन 51 करोड़ स्क्वायर किलोमीटर में फैली हुई। इसमें केवल 29 फीसदी हिस्से में जमीन है। धरती पर जमीन का कुल क्षेत्रफल 15 करोड़ स्क्वायर किलोमीटर है। ये आंकड़े सुनकर पहली नजर में आपको लगेगा कि आज का हम जियोग्रॉफी से जुड़ी बात क्यों कर रहे हैं। लेकिन आज तो बात ऐसे फसाद की करेंगे जिसका मूल जमीन है। वो भी महज 35 एकड़ का एक प्लॉट यानी कि इतनी विशाल दुनिया का एक दशवलव से भी कम हिस्सा। लेकिन ये छोटा सा प्सट दुनिया की सबसे विवादित जगहों में से एक है। इसलिए कि दुनिया के तीन बड़े धर्म इस प्लॉट पर अपना दावा करते हैं। इस विवादित दावेदारी के चलते कई युद्ध हुए। ये मामला येरूशलम का है। वहां शहर के पुराने हिस्से में पहाड़ी के ऊपर फैला एक आयातकार प्लेटफॉर्म है। इस कंपायउंड को यहूदी हर हवाई अल, ये ब्रू भाषा का शब्द है। इस नाम का प्रचलित अंग्रेजी संस्करण टेंपल माउंट है। इसी परिसर को मुस्लिम हरम अल शरीफ बुलाते हैं। एक ही जगह के अलग अलग नाम होने की वजह दोनों धर्मों की मान्यताएं हैं। यहूदी मानते हैं कि इसी जगह पर उनके ईश्वर ने वो मिट्टी संजोई थी जिससे एडम का सृजन हुआ। जिससे इंसानों की भावी पीढ़ियां अस्थित्व में आई। यहूदियों की टेंपल माउंट से एक और मान्यता जुड़ी हैं। उनके पैगंबर अब्राहम के इस्माइल और इसाक दो बेटे थे। एक बार ईश्नर ने अब्राहम से उनके बेटे इसाक की बलि मांगी।

अल्लाह ने हस्तक्षेप किया और एक मेढ़े को इसहाक की जगह पर कुर्बान करने के लिए भेजा, जिससे यहूदी, ईसाई और इस्लामी परंपराओं में पैगंबर अब्राहम के विश्वास और आज्ञाकारिता का प्रतीक बन गया।

बलिदान की घटना इसी टेंपल माउंट पर हुई थी इसीलिए इजरायल के राजा किंग सोलमॉन ने 1000 ईसा पूर्व में यहां में एक भव्य मंदिर बनवाया जिसे यहूदी फर्स्ट टेंपल कहते हैं। आगे चलकर बेबिलोनियन सभ्यता के लोगों ने इस मंदिर को नष्ट कर दिया। पांच सदी बाद 516 ईसा पूर्व में यहूदियों ने दोबारा इसी जगह पर एक मंदिर बनाया। वो मंदिर सेंकेड टेंपल कहलाया।

बलूचिस्तान में पाकिस्तान की तानाशाही! आए दिन गायब हो रहे लोग

परिवारों में खौफ का माहौल

बलूचिस्तान

बलूचिस्तान के कई ज़िलों से एक बार फिर संदिग्ध जबरन गुमशुदगी की खबरें सामने आई हैं, जिसके चलते परिवारों ने प्रदर्शन किए हैं और अधिकारियों से अपने लापता रिश्तेदारों की वापसी की अपील की है, जैसा कि द बलूचिस्तान पोस्ट ने बताया है। द बलूचिस्तान पोस्ट के अनुसार, पाकिस्तानी सुरक्षाकर्मियों ने कथित तौर पर केच ज़िले की बुलेदा तहसील के मेनाज इलाके में एक घर पर देर रात छापा मारा और दो भाइयों को हिरासत में लिया, जिन्हें तब से नहीं देखा गया है। इन लोगों की पहचान रहीम जान के बेटे जहीर और रहीम जान के बेटे वसीम के रूप में हुई है। रिश्तेदारों ने बताया कि दोनों भाई-बहन किसान थे और उनका कोई राजनीतिक संबंध नहीं था और उन्होंने उनकी तत्काल रिहाई की मांग की। एक अलग घटनाक्रम में, ब्राहुई भाषा के कवि अता अंजुम को पाकिस्तानी सेना ने मस्तुंग स्थित उनके घर से अगवा कर लिया, जिसके बाद से उनका ठिकाना अनिश्चित बना हुआ है। वॉयस फॉर बलूच मिसिंग पर्सन्स (वीबीएमपी) ने इस घटना की निंदा करते हुए इसे संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन बताया और सरकार से हस्तक्षेप करने की अपील की। तुर्बत में एक और मामला दर्ज किया गया, जहाँ तुर्बत सेंट्रल जेल का वार्डर चंगेज इमाम तीन दिनों से लापता है। उसके परिवार ने बताया कि वह 11 नवंबर को दोपहर करीब 1 बजे तुर्बत के बाग स्थित अपने घर से ड्यूटी पर जाने के लिए निकला था, लेकिन कभी नहीं पहुँचा। उसकी मोटरसाइकिल का भी पता नहीं चल पाया है। उन्होंने जनता से अनुरोध किया कि वे कोई भी सुराग साझा करके मदद करें।

इस बीच, पूरे प्रांत में विरोध प्रदर्शन जारी रहे। खुजदार में, हुजैफा गफ्फार के रिश्तेदारों, जिन्हें कथित तौर पर 5 नवंबर को नाल से उठाया गया था, ने नाल सीपीईसी सड़क को घंटों तक जाम कर दिया, जिससे लंबा ट्रैफिक जाम लग गया। प्रदर्शनकारियों ने उसकी सुरक्षित वापसी की माँग की, जबकि बलूच यकजेहती समिति ने एकजुटता व्यक्त की, जैसा कि द बलूचिस्तान पोस्ट ने उजागर किया है। इसके अलावा, यूनियन काउंसिल किल्ली कोचा बुलेदा के उपाध्यक्ष पजीर नासिर प्लिजाई, कथित तौर पर 8 नवंबर को अपने बेटे को एक मदरसे में छोड़ने के बाद दूसरी बार लापता हो गए।

महासचिव संग जयशंकर की मीटिंग, समर्थन पर जताया आभार

संयुक्त राष्ट्र

भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटारेस से मुलाकात की। जयशंकर ने एक्स पर लिखा, आज न्यू यॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस से मिलकर अच्छा लगा। वर्तमान वैश्विक व्यवस्था और बहुपक्षवाद पर इसके प्रभावों के उनके आकलन की सराहना की। विभिन्न क्षेत्रीय मुद्दों पर उनके दृष्टिकोण की भी सराहना की।जयशंकर ने आगे कहा कि भारत के विकास के लिए स्पष्ट और निरंतर समर्थन के लिए उनका धन्यवाद। भारत में उनका स्वागत करने को उत्सुक हूं। भारत की लंबे समय से यूएन में बदलाव की मांग है। स्थायी सदस्यता के लिए कई देशों ने भारत का समर्थन किया है।

एक दिन पहले, जयशंकर ने संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस से मुलाकात की थी। जयशंकर के साथ संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि राजदूत पी. हरीश, संयुक्त राष्ट्र में उप-स्थायी प्रतिनिधि राजदूत योजना पटेल और संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन के अधिकारी भी मौजूद थे। जयशंकर ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि आज न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटारेस से मिलकर अच्छा लगा। वर्तमान वैश्विक व्यवस्था और बहुपक्षवाद पर इसके प्रभावों के उनके आकलन की सराहना करता हूँ। विभिन्न क्षेत्रीय मुद्दों पर उनके दृष्टिकोण की भी सराहना करता हूँ। जयशंकर ने कहा कि वह गुटेरेस को भारत की वृद्धि और विकास के लिए स्पष्ट और निरंतर समर्थन के लिए धन्यवाद देते हैं ।

भारत के लिए रिपब्लिकन सांसद को ही ट्रंप ने हड़का दिया!

अमेरिका

जो दूसरों के लिए गड्ढा खोदता है वो खुद उसी में गिरता है और आज वही कहावत अमेरिका पर फिट बैठ रही है। आज की खबर अमेरिका के लिए सबसे बड़ा झटका लेकर सामने आई है और भारत के लिए शानदार जीत के साथ दिन खुला है। क्योंकि जिस एच1 बी वीजा शक्ति को अमेरिकी सरकार अपनी जीत समझ रही थी वही अब उनके ही गले का फंदा बन चुकी है। गूगल हो, मॉइक्रोसॉफ्ट हो, डेल हो, एलजी हो और खेल का बड़ा मोड़ फोड़। सब ने ट्रंप की बात को हवा में उड़ा दिया और कह दिया है कि अगर भारतीय टैलेंट को रोकोगे तो हम अमेरिका नहीं इंडिया जाएंगे। कुछ महीनों पहले ट्रंप प्रशासन ने सोचा था कि एच1 बी वीजा पर सख्ती कर दी जाएगी। इंडियन इंजीनियर्स को रोक दिया जाएगा और कंपनियां मजबूरी में अमेरिका में ही फैक्ट्रियां लगाएंगी। लेकिन हुआ इसके ठीक उलट। इसलिए ट्रंप के भी होश ठिकाने आ गए हैं। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की करीबी और अमेरिकी प्रतिनिधि सभा की सदस्य माजोर्री टेलर ग्रीन ने कहा है कि जल्द ही विधेयक लाया जाएगा। रिपब्लिकन पार्टी की माजोर्री का आरोप है कि एच-1 बी वीसा का दुरुपयोग हो रहा है। अमेरिका फर्स्ट की नीति के तहत एच-1 बी वीसा कैटेगरी को खत्म किया जाएगा। हालांकि, उन्होंने कहा कि अगले 10 साल तक हर साल 10 हजार डॉक्टरों को एच-1 बी वीसा जारी होंगे। बता दें कि अभी हर साल 85 हजार एच-1 बी वीसा में से लगभग 70% वीसा भारतीयों को जारी होते हैं। लेकिन ग्रीन का ये बयान अब उन्हें ही काफी महंगा पड़ रहा है। इस पर डोनाल्ड ट्रंप नाराज हो गए और ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म ट्रूथ पर एक लंबा चौड़ा पोस्ट लिखते हुए माजोर्री के खिलाफ नाराजगी जाहिर की है। इतना ही नहीं ट्रंप ने रिपब्लिकन सांसद माजोर्री टेलर ग्रीन का समर्थन भी वापस ले लिया है।

पोस्ट लिखते हुए ट्रंप ने कहा मैं महान राज्य जॉर्जिया की कांग्रेस वुमन माजोर्री टेलर ग्रीन के प्रति अपना समर्थन और अनुमोदन वापस ले रहा हूं।इससे पहले राष्ट्रपति ट्रम्प ने 12 नवंबर को कहा था, अमेरिकियों के पास हर टैलेंट नहीं इसलिए एच-1 वीसा जरूरी है। अमेरिकी वित्त मंत्री बेसेंट ने 13 नवंबर को कहा था, विदेशी स्किल्ड वर्कर आएं, ट्रेनिंग दें और लौट जाएं। राष्ट्रपति ट्रम्प सितंबर में एच-1 बी वीसा फीस को 88 हजार रु. से बढ़ाकर 88 लाख रु. कर चुके हैं।

अखंड भारत संदेश
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक
स्वामी श्री योगी सत्यम् फॉर
योग सत्संग समिति
द्वारा विपिन इण्टरप्राइजेज
1/6C माधव कुंज
कटरा, प्रयागराज से मुद्रित
एवं
क्रियायोग आश्रम एण्ड अनुसंधान संस्थान
झूंसी, प्रयागराज उत्तर प्रदेश
से प्रकाशित
सम्पादक
स्वामी श्री योगी सत्यम्
RNI NO. UPHIN/2001/09025
प्रबन्धक
अनूप मिश्रा
ऑफिस मो.:
9565333000
Email:
akhandbharatsandesh1@gmail.com
सभी विवादो का न्याय क्षेत्र
प्रयागराज होगा